

Pradeep

05 Mar 1987

07:15 AM

Jeypore

पुल्लिंग : _____ लिंग _____ : पुल्लिंग
05/03/1987 : _____ जन्म तिथि _____ : **4-05/03/2025**
 गुरुवार : _____ दिन _____ : मंगल-बुधवार
 घंटे 07:15:00 : _____ जन्म समय _____ : 01:13:06 घंटे
 घटी 02:26:11 : _____ जन्म समय(घटी) _____ : 47:21:04 घटी
 India : _____ देश _____ : India
 Jeypore : _____ स्थान _____ : Jeypore
 उत्तर 18:52:00 : _____ अक्षांश _____ : 18:52:00 उत्तर
 पूर्व 82:38:00 : _____ रेखांश _____ : 82:38:00 पूर्व
 पूर्व 82:30:00 : _____ मध्य रेखांश _____ : 82:30:00 पूर्व
 घंटे 00:00:32 : _____ स्थानिक संस्कार _____ : 00:00:32 घंटे
 घंटे 00:00:00 : _____ ग्रीष्म संस्कार _____ : 00:00:00 घंटे
 06:16:31 : _____ सूर्योदय _____ : 06:16:40
 18:05:40 : _____ सूर्यास्त _____ : 18:05:55
 23:40:37 : _____ चित्रपक्षीय अयनांश _____ : 24:12:32
 मीन : _____ लग्न _____ : वृश्चिक
 गुरु : _____ लग्न लग्नाधिपति _____ : मंगल
 मेष : _____ राशि _____ : मेष
 मंगल : _____ राशि-स्वामी _____ : मंगल
 भरणी : _____ नक्षत्र _____ : भरणी
 शुक्र : _____ नक्षत्र स्वामी _____ : शुक्र
 3 : _____ चरण _____ : 4
 ऐन्द्र : _____ योग _____ : ऐन्द्र
 कौलव : _____ करण _____ : कौलव
 ले-लेखपाल : _____ जन्म नामाक्षर _____ : लो-लोचन
 मीन : _____ सूर्य राशि(पाश्चात्य) _____ : मीन
 क्षत्रिय : _____ वर्ण _____ : क्षत्रिय
 चतुष्पाद : _____ वश्य _____ : चतुष्पाद
 गज : _____ योनि _____ : गज
 मनुष्य : _____ गण _____ : मनुष्य
 मध्य : _____ नाडी _____ : मध्य
 मृग : _____ वर्ग _____ : मृग
 38 : _____ गत/तत्कालिक वर्ष _____ : 39

जन्म - विवरण

वर्ष - विवरण

नक्षत्र	पद	अंश	राशि	व	अ	ग्रह	व	अ	राशि	अंश	पद	नक्षत्र
उ०भाद्रपद	2	07:48:46	मीन			लग्न			वृश्चि	29:09:28	4	ज्येष्ठा
पू०भाद्रपद	1	20:16:24	कुंभ			सूर्य			कुंभ	20:16:24	1	पू०भाद्रपद
भरणी	3	23:05:13	मेष			चंद्र			मेष	25:49:33	4	भरणी
भरणी	1	14:53:27	मेष			मंगल			मिथु	23:15:48	1	पुनर्वसु
शतभिषा	1	09:35:27	कुंभ	व	अ	बुध			मीन	07:50:11	2	उ०भाद्रपद
उ०भाद्रपद	2	06:52:00	मीन			गुरु			वृष	18:23:18	3	रोहिणी
उत्तराषाढ़ा	4	08:21:49	मक			शुक्र	व		मीन	16:27:55	4	उ०भाद्रपद
ज्येष्ठा	4	26:55:11	वृश्चि			शनि		अ	कुंभ	26:56:55	3	पू०भाद्रपद
रेवती	1	18:06:07	मीन			राहु			मीन	03:14:36	4	पू०भाद्रपद
हस्त	3	18:06:07	कन्या			केतु			कन्या	03:14:36	2	उ०फाल्गुनी
मूल	1	02:43:48	धनु			मु			वृष	07:48:46	4	कृतिका

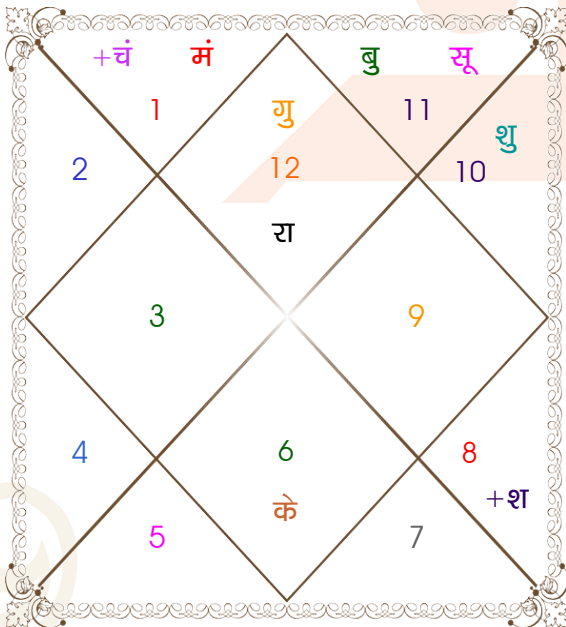
व - वकी स - स्थिर

अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त

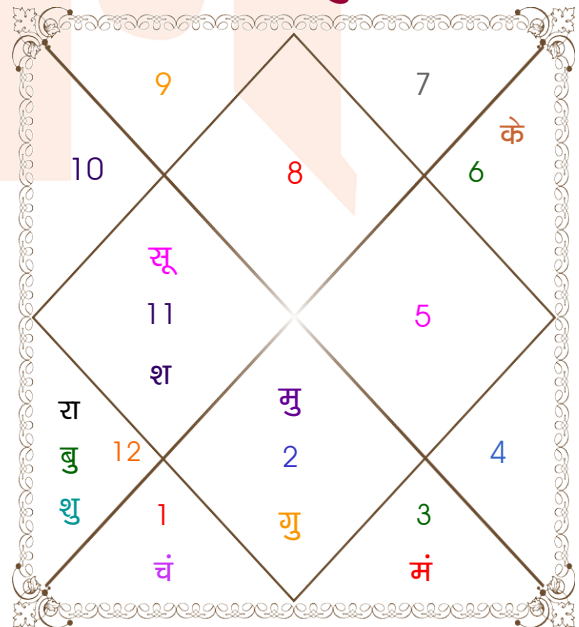
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:32

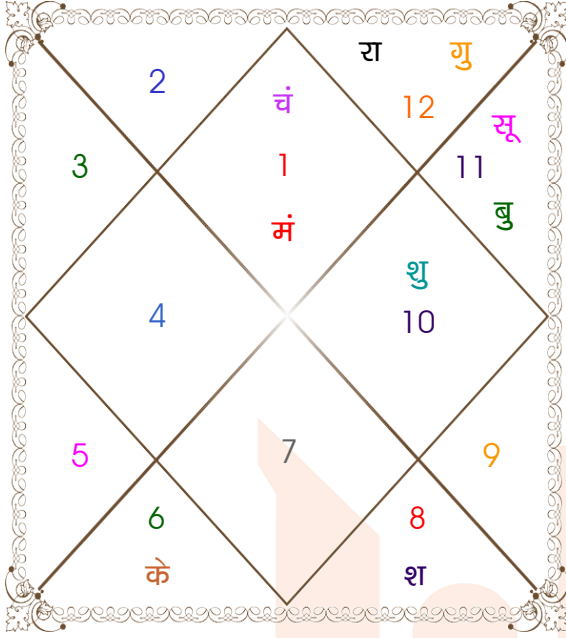
लग्न-चलित



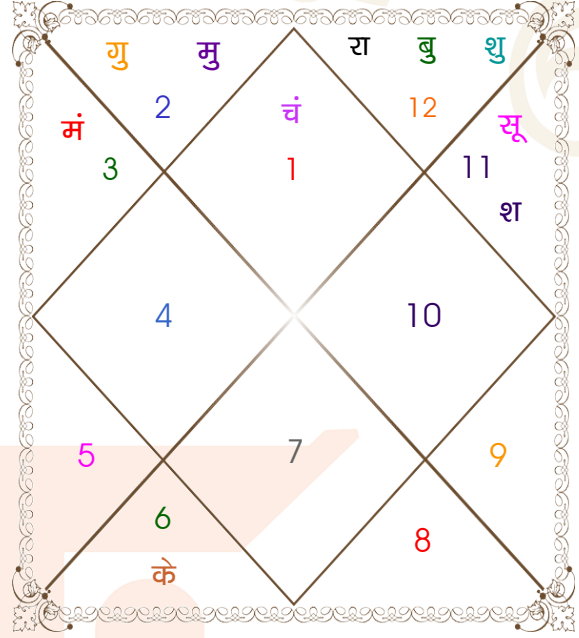
वर्ष लग्न कुंडली



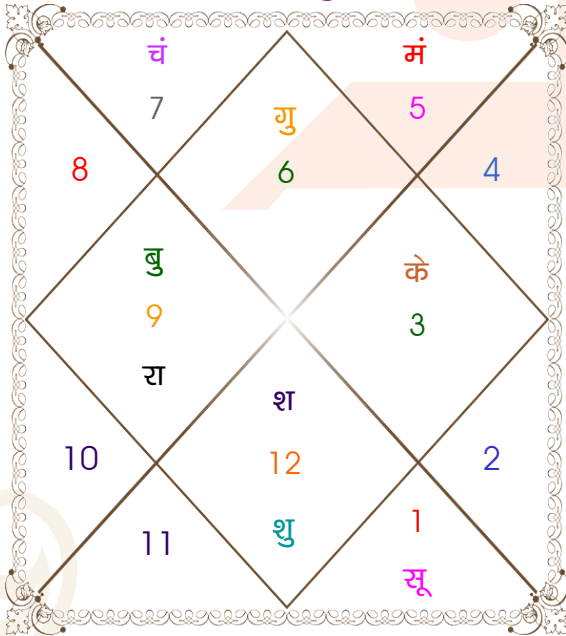
चन्द्र कुंडली



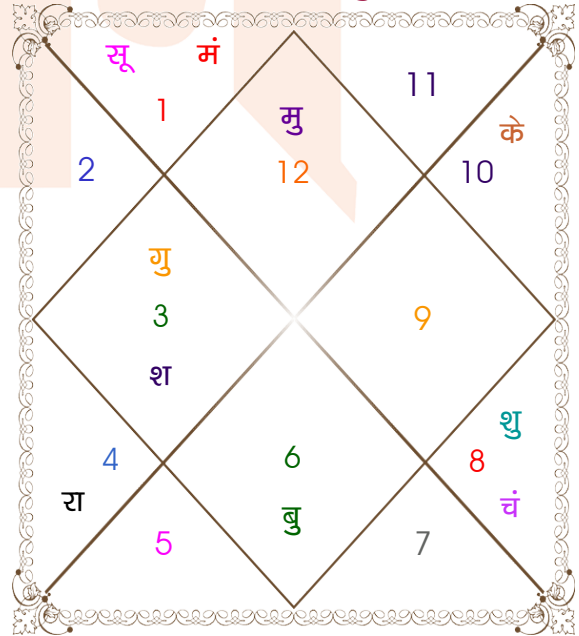
वर्ष चन्द्र कुंडली



नवमांश कुंडली



वर्ष नवमांश कुंडली



मैत्री सारिणी

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
सूर्य	---	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	सम	शत्रु
चन्द्र	मित्र	---	मित्र	सम	सम	सम	मित्र
मंगल	मित्र	मित्र	---	शत्रु	सम	शत्रु	मित्र
बुध	सम	सम	शत्रु	---	मित्र	शत्रु	सम
गुरु	शत्रु	सम	सम	मित्र	---	मित्र	शत्रु
शुक्र	सम	सम	शत्रु	शत्रु	मित्र	---	सम
शनि	शत्रु	मित्र	मित्र	सम	शत्रु	सम	---

द्वादशवर्ग सारिणी

	लग्न	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	वृश्चि	कुंभ	मेष	मिथु	मीन	वृष	मीन	कुंभ
होरा	सिंह	कर्क	कर्क	कर्क	कर्क	सिंह	सिंह	कर्क
द्रेष्काण	वृष	कर्क	तुला	सिंह	मक	कर्क	मीन	कर्क
चतुर्थांश	सिंह	सिंह	मक	मीन	मिथु	वृश्चि	कन्या	वृश्चि
पंचमांश	वृश्चि	मिथु	तुला	मिथु	कन्या	मक	मीन	तुला
षष्ठांश	मीन	सिंह	कन्या	सिंह	वृश्चि	मक	मक	कन्या
सप्तमांश	वृश्चि	मिथु	तुला	वृश्चि	तुला	मीन	धनु	सिंह
अष्टमांश	मीन	मक	तुला	वृश्चि	कर्क	धनु	कन्या	मीन
नवमांश	मीन	मेष	वृश्चि	मेष	कन्या	मिथु	वृश्चि	मिथु
दशमांश	मेष	सिंह	धनु	मक	मक	कर्क	मेष	तुला
एकादशांश	सिंह	सिंह	धनु	मक	मेष	तुला	सिंह	तुला
द्वादशांश	तुला	तुला	कुंभ	मीन	मिथु	धनु	कन्या	धनु

द्वादशवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
राशि	शत्रु	मित्र	शत्रु	मित्र	मित्र	मित्र	स्व
होरा	मित्र	स्व	मित्र	सम	शत्रु	सम	मित्र
द्रेष्काण	मित्र	सम	मित्र	सम	सम	मित्र	मित्र
चतुर्थांश	स्व	मित्र	सम	स्व	सम	शत्रु	मित्र
पंचमांश	सम	सम	शत्रु	स्व	शत्रु	मित्र	सम
षष्ठांश	स्व	सम	मित्र	शत्रु	शत्रु	सम	सम
सप्तमांश	सम	सम	स्व	शत्रु	स्व	मित्र	शत्रु
अष्टमांश	शत्रु	सम	स्व	सम	स्व	शत्रु	शत्रु
नवमांश	मित्र	मित्र	स्व	स्व	मित्र	शत्रु	सम
दशमांश	स्व	सम	मित्र	सम	सम	शत्रु	सम
एकादशांश	स्व	सम	मित्र	शत्रु	मित्र	सम	सम
द्वादशांश	सम	मित्र	सम	स्व	स्व	शत्रु	शत्रु
शुभ	7	5	8	5	6	4	4
सम	3	7	2	4	3	3	5
अशुभ	2	0	2	3	3	5	3
कुल	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	शुभ	अशुभ	शुभ

हर्ष बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
प्रथम बल	0	0	0	0	0	5	0
द्वितीय बल	0	0	0	0	0	5	5
तृतीय बल	5	0	0	0	0	0	0
चतुर्थ बल	0	5	0	5	0	5	5
कुल बल	5	5	0	5	0	15	10
	क्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	क्षीण	अतिक्षीण	बली	सामान्य

पंचवर्गीय बल

	सूर्य	चंद्र	मंगल	बुध	गुरु	शुक्र	शनि
क्षेत्रीय बल	7.50	22.50	7.50	22.50	22.50	22.50	30.00
उच्च बल	14.47	19.20	3.86	0.80	14.82	18.83	5.89
हृदय बल	11.25	11.25	15.00	3.75	15.00	3.75	15.00
द्रेष्काण	7.50	5.00	7.50	5.00	5.00	7.50	7.50
नवमांश	3.75	3.75	5.00	5.00	3.75	1.25	2.50
कुल	44.47	61.70	38.86	37.05	61.07	53.83	60.89
विंशोपक बल	11.12	15.43	9.71	9.26	15.27	13.46	15.22
	शुभ	बली	सामान्य	सामान्य	बली	शुभ	बली

वर्षेश निर्णय

स्वामित्व	ग्रह	बल	लग्न पर दृष्टि	वर्षेश
जन्म लग्नाधिपति	गुरु	15.27	अति अशुभ	
वर्ष लग्नाधिपति	मंगल	9.71	दृष्टि नहीं	
मुन्था लग्नाधिपति	शुक्र	13.46	अतिशुभ	गुरु
दिवापति	मंगल	9.71	दृष्टि नहीं	
त्रिराशिपति	शुक्र	13.46	अतिशुभ	

सहम

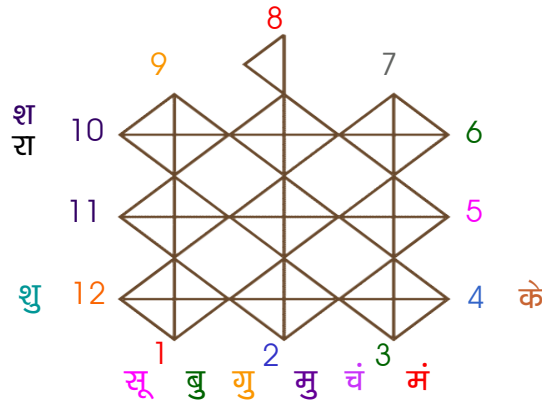
सहम जीवन की महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रदर्शित करने वाली विशेष स्थिति या बिन्दु है। ग्रह या भावों के विपरीत सहम जीवन की एक ही घटना से संबंध रखता है। आचार्य नीलकंठ के अनुसार सहम 50 हैं। यदि सहम और इसका स्वामी शुभ हो या शुभदृष्ट हो तो यह सांकेतिक घटना के लिए शुभ फल प्रदान करता है। ताजिक शास्त्र के अनुसार किसी भी घटना की अवधि को इसकी स्थिति, स्वामी तथा उस राशि की स्थिति से ज्ञात किया जाता है जिसमें यह स्थित है। नीचे सहमों की गणना करके उनकी संभावित तिथियां दी गई हैं जो अग्रिम फलादेश में सहायक सिद्ध हो सकेंगी।

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
पुण्य	कन्या	23:36:19	बुध	09/08/2025
गुरु	मीन	04:42:37	गुरु	04/01/2026
ज्ञान	मीन	04:42:37	गुरु	04/01/2026
यश	वृष	04:22:29	शुक्र	26/04/2025
मित्र	तुला	05:21:36	शुक्र	08/08/2025
माहात्म्य	सिंह	28:48:57	सूर्य	24/08/2025
आशा	मकर	18:40:28	शनि	23/02/2026
समर्थ	धनु	29:09:28	गुरु	11/10/2025
भातृ	मीन	20:35:51	गुरु	21/01/2026
गौरव	कुम्भ	27:42:39	शनि	05/03/2025
राजा	वृश्चिक	22:28:58	मंगल	11/07/2025
पितृ	वृश्चिक	22:28:58	मंगल	11/07/2025
मातृ	तुला	19:47:50	शुक्र	20/08/2025
सुत	मकर	21:43:13	शनि	26/02/2026
जीव	कन्या	07:43:05	बुध	28/07/2025
अम्बु	तुला	19:47:50	शुक्र	20/08/2025
कर्म	सिंह	13:43:51	सूर्य	10/08/2025
रोग	मेष	25:49:33	मंगल	18/01/2026
कामदेव	कुम्भ	26:35:43	शनि	07/04/2026
कलि	कुम्भ	04:01:58	शनि	13/03/2026
क्षेम	कुम्भ	04:01:58	शनि	13/03/2026
शास्त्र	मकर	16:23:48	शनि	20/02/2026
बन्धु	तुला	11:10:06	शुक्र	13/08/2025
बंधक	तुला	11:10:06	शुक्र	13/08/2025
मृत्यु	मिथुन	02:56:16	बुध	10/06/2025

सहम

सहम	राशि	अंश	स्वा	घटना तिथि
परदेश	मिथुन	13:21:24	बुध	22/06/2025
अर्थ	तुला	04:01:28	शुक्र	07/08/2025
परदारा	मकर	25:20:59	शनि	02/03/2026
अन्यकर्म	कुम्भ	28:02:07	शनि	06/03/2025
वणिक	कुम्भ	17:08:51	शनि	28/03/2026
कार्यसिद्धि	मीन	03:37:26	गुरु	03/01/2026
विवाह	मकर	18:40:28	शनि	23/02/2026
प्रसूति	मीन	09:42:35	गुरु	09/01/2026
संताप	मीन	02:56:16	गुरु	02/01/2026
श्रद्धा	सिंह	22:21:35	सूर्य	18/08/2025
प्रीति	वृष	10:15:47	शुक्र	02/05/2025
बल	वृष	04:22:29	शुक्र	26/04/2025
देह	वृष	04:22:29	शुक्र	26/04/2025
जाडय	कर्क	04:09:04	चन्द्र	15/05/2025
व्यापार	मेष	14:35:05	मंगल	06/01/2026
जलपतन	कर्क	04:09:04	चन्द्र	15/05/2025
शत्रु	मेष	25:28:21	मंगल	17/01/2026
शौर्य	मीन	29:29:59	गुरु	30/01/2026
उपाय	कन्या	07:43:05	बुध	28/07/2025
दरिद्रता	कन्या	23:36:19	बुध	09/08/2025
गुरुता	कुम्भ	18:53:04	शनि	30/03/2026
जलपथ	वृष	17:12:34	शुक्र	10/05/2025
बंधन	कर्क	25:48:53	चन्द्र	07/06/2025
कन्या	तुला	19:47:50	शुक्र	20/08/2025
अश्व	मिथुन	07:48:15	बुध	16/06/2025

वर्ष त्रिपताकी कुंडली



पात्यंश दशा

बुध	शुक्र	गुरु	सूर्य	मंगल
05/03/2025	11/06/2025	27/09/2025	21/10/2025	14/11/2025
11/06/2025	27/09/2025	21/10/2025	14/11/2025	21/12/2025
बुध 31/03/2025	शुक्र 13/07/2025	गुरु 28/09/2025	सूर्य 22/10/2025	मंगल 17/11/2025
शुक्र 29/04/2025	गुरु 20/07/2025	सूर्य 30/09/2025	मंगल 25/10/2025	चंद्र 21/11/2025
गुरु 05/05/2025	सूर्य 27/07/2025	मंगल 02/10/2025	चंद्र 27/10/2025	शनि 22/11/2025
सूर्य 12/05/2025	मंगल 07/08/2025	चंद्र 05/10/2025	शनि 28/10/2025	लग्न 25/11/2025
मंगल 22/05/2025	चंद्र 16/08/2025	शनि 05/10/2025	लग्न 30/10/2025	बुध 05/12/2025
चंद्र 30/05/2025	शनि 21/08/2025	लग्न 07/10/2025	बुध 05/11/2025	शुक्र 16/12/2025
शनि 03/06/2025	लग्न 29/08/2025	बुध 14/10/2025	शुक्र 12/11/2025	गुरु 19/12/2025
लग्न 11/06/2025	बुध 27/09/2025	शुक्र 21/10/2025	गुरु 14/11/2025	सूर्य 21/12/2025

चंद्र	शनि	लग्न	लग्न	लग्न
21/12/2025	22/01/2026	05/02/2026	05/02/2026	05/02/2026
22/01/2026	05/02/2026	05/03/2026	05/03/2026	05/03/2026
चंद्र 24/12/2025	शनि 23/01/2026	लग्न 07/02/2026	लग्न 07/02/2026	लग्न 07/02/2026
शनि 25/12/2025	लग्न 24/01/2026	बुध 15/02/2026	बुध 15/02/2026	बुध 15/02/2026
लग्न 27/12/2025	बुध 27/01/2026	शुक्र 23/02/2026	शुक्र 23/02/2026	शुक्र 23/02/2026
बुध 05/01/2026	शुक्र 01/02/2026	गुरु 25/02/2026	गुरु 25/02/2026	गुरु 25/02/2026
शुक्र 15/01/2026	गुरु 02/02/2026	सूर्य 26/02/2026	सूर्य 26/02/2026	सूर्य 26/02/2026
गुरु 17/01/2026	सूर्य 02/02/2026	मंगल 01/03/2026	मंगल 01/03/2026	मंगल 01/03/2026
सूर्य 19/01/2026	मंगल 04/02/2026	चंद्र 04/03/2026	चंद्र 04/03/2026	चंद्र 04/03/2026
मंगल 22/01/2026	चंद्र 05/02/2026	शनि 05/03/2026	शनि 05/03/2026	शनि 05/03/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
पात्यंश दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

मुद्दा दशा

चंद्र	मंगल	राहु	गुरु	शनि
05/03/2025	04/04/2025	25/04/2025	19/06/2025	07/08/2025
04/04/2025	25/04/2025	19/06/2025	07/08/2025	04/10/2025
चंद्र 07/03/2025	मंगल 05/04/2025	राहु 04/05/2025	गुरु 26/06/2025	शनि 16/08/2025
मंगल 09/03/2025	राहु 08/04/2025	गुरु 11/05/2025	शनि 03/07/2025	बुध 24/08/2025
राहु 13/03/2025	गुरु 11/04/2025	शनि 19/05/2025	बुध 10/07/2025	केतु 28/08/2025
गुरु 17/03/2025	शनि 15/04/2025	बुध 27/05/2025	केतु 13/07/2025	शुक्र 06/09/2025
शनि 22/03/2025	बुध 18/04/2025	केतु 30/05/2025	शुक्र 21/07/2025	सूर्य 09/09/2025
बुध 27/03/2025	केतु 19/04/2025	शुक्र 09/06/2025	सूर्य 24/07/2025	चंद्र 14/09/2025
केतु 28/03/2025	शुक्र 22/04/2025	सूर्य 11/06/2025	चंद्र 28/07/2025	मंगल 17/09/2025
शुक्र 02/04/2025	सूर्य 24/04/2025	चंद्र 16/06/2025	मंगल 30/07/2025	राहु 26/09/2025
सूर्य 04/04/2025	चंद्र 25/04/2025	मंगल 19/06/2025	राहु 07/08/2025	गुरु 04/10/2025

बुध	केतु	शुक्र	सूर्य	सूर्य
04/10/2025	24/11/2025	16/12/2025	15/02/2026	15/02/2026
24/11/2025	16/12/2025	15/02/2026	05/03/2026	05/03/2026
बुध 11/10/2025	केतु 26/11/2025	शुक्र 26/12/2025	सूर्य 15/02/2026	सूर्य 15/02/2026
केतु 14/10/2025	शुक्र 29/11/2025	सूर्य 29/12/2025	चंद्र 17/02/2026	चंद्र 17/02/2026
शुक्र 23/10/2025	सूर्य 30/11/2025	चंद्र 03/01/2026	मंगल 18/02/2026	मंगल 18/02/2026
सूर्य 25/10/2025	चंद्र 02/12/2025	मंगल 06/01/2026	राहु 21/02/2026	राहु 21/02/2026
चंद्र 29/10/2025	मंगल 03/12/2025	राहु 16/01/2026	गुरु 23/02/2026	गुरु 23/02/2026
मंगल 02/11/2025	राहु 06/12/2025	गुरु 24/01/2026	शनि 26/02/2026	शनि 26/02/2026
राहु 09/11/2025	गुरु 09/12/2025	शनि 02/02/2026	बुध 01/03/2026	बुध 01/03/2026
गुरु 16/11/2025	शनि 13/12/2025	बुध 11/02/2026	केतु 02/03/2026	केतु 02/03/2026
शनि 24/11/2025	बुध 16/12/2025	केतु 15/02/2026	शुक्र 05/03/2026	शुक्र 05/03/2026

नोट : उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं।
मुद्दा दशा पूरे 1 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

विंशोत्तरी दशा - सूक्ष्म

राहु - बुध - मंगल		राहु - बुध - राहु		राहु - बुध - गुरु		राहु - बुध - शनि	
07/10/2024 16:50		01/12/2024 00:46		19/04/2025 17:46		21/08/2025 22:12	
01/12/2024 00:46		19/04/2025 17:46		21/08/2025 22:12		16/01/2026 09:29	
मंगल	10/10/2024 20:54	राहु	21/12/2024 23:43	गुरु	06/05/2025 07:10	शनि	14/09/2025 06:36
राहु	19/10/2024 00:29	गुरु	09/01/2025 14:47	शनि	25/05/2025 23:04	बुध	05/10/2025 03:59
गुरु	26/10/2024 06:21	शनि	31/01/2025 17:41	बुध	12/06/2025 13:17	केतु	13/10/2025 18:27
शनि	03/11/2024 20:48	बुध	20/02/2025 12:41	केतु	19/06/2025 19:09	शुक्र	07/11/2025 08:19
बुध	11/11/2024 13:32	केतु	28/02/2025 16:17	शुक्र	10/07/2025 11:53	सूर्य	14/11/2025 17:17
केतु	14/11/2024 17:35	शुक्र	23/03/2025 23:07	सूर्य	16/07/2025 16:55	चंद्र	27/11/2025 00:14
शुक्र	23/11/2024 18:55	सूर्य	30/03/2025 22:46	चंद्र	27/07/2025 01:17	मंगल	05/12/2025 14:41
सूर्य	26/11/2024 12:07	चंद्र	11/04/2025 14:11	मंगल	03/08/2025 07:08	राहु	27/12/2025 17:35
चंद्र	01/12/2024 00:46	मंगल	19/04/2025 17:46	राहु	21/08/2025 22:12	गुरु	16/01/2026 09:29
राहु - केतु - केतु		राहु - केतु - शुक्र		राहु - केतु - सूर्य		राहु - केतु - चंद्र	
16/01/2026 09:29		07/02/2026 18:24		12/04/2026 16:27		01/05/2026 20:40	
07/02/2026 18:24		12/04/2026 16:27		01/05/2026 20:40		02/06/2026 19:41	
केतु	17/01/2026 16:48	शुक्र	18/02/2026 10:04	सूर्य	13/04/2026 15:27	चंद्र	04/05/2026 12:35
शुक्र	21/01/2026 10:17	सूर्य	21/02/2026 14:46	चंद्र	15/04/2026 05:49	मंगल	06/05/2026 09:19
सूर्य	22/01/2026 13:08	चंद्र	26/02/2026 22:37	मंगल	16/04/2026 08:39	राहु	11/05/2026 04:23
चंद्र	24/01/2026 09:52	मंगल	02/03/2026 16:06	राहु	19/04/2026 05:41	गुरु	15/05/2026 10:39
मंगल	25/01/2026 17:12	राहु	12/03/2026 06:12	गुरु	21/04/2026 19:03	शनि	20/05/2026 12:06
राहु	29/01/2026 01:44	गुरु	20/03/2026 18:45	शनि	24/04/2026 19:55	बुध	25/05/2026 00:45
गुरु	01/02/2026 01:19	शनि	30/03/2026 21:38	बुध	27/04/2026 13:07	केतु	26/05/2026 21:30
शनि	04/02/2026 14:20	बुध	08/04/2026 22:58	केतु	28/04/2026 15:58	शुक्र	01/06/2026 05:20
बुध	07/02/2026 18:24	केतु	12/04/2026 16:27	शुक्र	01/05/2026 20:40	सूर्य	02/06/2026 19:41
राहु - केतु - मंगल		राहु - केतु - राहु		राहु - केतु - गुरु		राहु - केतु - शनि	
02/06/2026 19:41		25/06/2026 04:36		21/08/2026 17:15		11/10/2026 20:29	
25/06/2026 04:36		21/08/2026 17:15		11/10/2026 20:29		11/12/2026 13:50	
मंगल	04/06/2026 03:00	राहु	03/07/2026 19:42	गुरु	28/08/2026 12:53	शनि	21/10/2026 11:14
राहु	07/06/2026 11:33	गुरु	11/07/2026 11:47	शनि	05/09/2026 15:12	बुध	30/10/2026 01:42
गुरु	10/06/2026 11:08	शनि	20/07/2026 14:23	बुध	12/09/2026 21:03	केतु	02/11/2026 14:42
शनि	14/06/2026 00:09	बुध	28/07/2026 17:59	केतु	15/09/2026 20:39	शुक्र	12/11/2026 17:36
बुध	17/06/2026 04:13	केतु	01/08/2026 02:31	शुक्र	24/09/2026 09:11	सूर्य	15/11/2026 18:28
केतु	18/06/2026 11:32	शुक्र	10/08/2026 16:38	सूर्य	26/09/2026 22:33	चंद्र	20/11/2026 19:55
शुक्र	22/06/2026 05:01	सूर्य	13/08/2026 13:39	चंद्र	01/10/2026 04:49	मंगल	24/11/2026 08:55
सूर्य	23/06/2026 07:52	चंद्र	18/08/2026 08:43	मंगल	04/10/2026 04:24	राहु	03/12/2026 11:31
चंद्र	25/06/2026 04:36	मंगल	21/08/2026 17:15	राहु	11/10/2026 20:29	गुरु	11/12/2026 13:50

वर्ष योग

इक्कबाल योग

यदि वर्ष कुंडली में सभी ग्रह केन्द्र (1, 4, 7, 10) और पणफर (2, 5, 8, 11) स्थानों में हों तो इक्कबाल नामक योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इन्दुवार योग

वर्ष कुंडली में यदि सूर्यादि सभी ग्रह अपोक्लिम (3, 6, 9, 12) स्थानों में हो तो इन्दुवार योग होता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

इत्थशाल योग

यदि लग्नेश और अन्य ग्रह (कार्येश) की परस्पर दृष्टि हो तथा दोनों ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हों तो इत्थशाल योग होता है। यह तीन प्रकार का होता है। वर्तमान, सम्पूर्ण और भविष्यत। सम्पूर्ण इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगति ग्रह से 1 कला के अंतर पर हो। वर्तमान इत्थशाल में शीघ्रगति वाले ग्रह के अंश कम एवं मन्दगति ग्रह के अंश अधिक हों तथा दोनों की परस्पर दृष्टि हो। भविष्यत इत्थशाल तब होता है जबकि शीघ्रगति ग्रह राशि के अन्तिम अंश में हो तथा दूसरी राशि पर मन्द गति ग्रह हो परन्तु मध्यान्तर दीप्तांशो के अन्तर्गत हों।

इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह सूर्य (कुंभ 20:16:24), एवं मन्दगति ग्रह मंगल (मिथु 23:15:48), के मध्य है।

वर्ष कुंडली में यह योग अत्यन्त ही शुभ एवं सफलता का द्योतक समझा जाता है। अतः इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष में आपके कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता के योग बनेंगे। नौकरी में इस समय आपकी पदोन्नति होगी तथा मान प्रतिष्ठा एवं प्रसिद्धि भी मिलेगी। व्यापारिक क्षेत्र के लिए वर्ष अत्यन्त ही शुभ एवं अनूकूल रहेगा। इस समय कोई नई योजना का प्रारंभ होगा तथा वर्तमान कार्य का भी विस्तार हो सकता है। राजनीति में सक्रिय लोगों के लिए वर्ष अत्यन्त ही महत्वपूर्ण होगा तथा वे राजनीति में वांछित पद एवं सम्मान अर्जित करने में समर्थ होंगे। पिता से इस समय संबंधों में मधुरता होगी तथा उनका स्वास्थ्य भी उत्तम रहेगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त ही सफलता दायक सिद्ध होगा। अतः वर्ष में प्राप्त सुअवसरों का आपको यत्नपूर्वक सदुपयोग करना चाहिए। इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह शुक्र (मीन 16:27:55), एवं मन्दगति ग्रह मंगल (मिथु 23:15:48), के मध्य है।

यह योग वर्ष कुंडली में अत्यन्त ही शुभ एवं सफलता का द्योतक माना जाता है।

अतः इसके शुभ प्रभाव से इस वर्ष आपको स्त्री का पूर्ण सुख एवं सानिध्य प्राप्त होगा तथा दाम्पत्य संबंधों में भी मधुरता आएगी। इस समय अविवाहितों के विवाह के प्रबल योग बनेंगे। साझेदार से भी ऐसे समय में वांछित लाभ एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा एक दूसरे पर पूर्ण विश्वास होगा। राजनीति में सक्रिय लोग ऐसे समय में राजनैतिक लाभ की प्राप्ति करेंगे। इसके अतिरिक्त देश विदेश की लम्बी यात्राएं सम्पन्न होंगी जिससे आपको वांछित लाभ होगा तथा भविष्य के लिए उन्नति मार्ग प्रशस्त होंगे। इस समय किसी शुभ या मांगलिक कार्य पर व्यय होगा तथा जमीन जायदाद या वाहन आदि भी कय करेंगे। साथ ही पूंजीनिवेश भी कर सकते हैं जिससे आपको वांछित लाभ की प्राप्ति होगी। अतः वर्ष में आए हुए सुअवसरों का आपको यत्नपूर्वक सदुपयोग करना चाहिए। इस वर्ष आपकी वर्तमान शीघ्र गति ग्रह मंगल (मिथु 23:15:48), एवं मन्दगति ग्रह शनि (कुंभ 26:56:55), के मध्य है।

यह योग वर्ष में अत्यन्त ही शुभ एवं सफलता प्रदान करने वाला माना जाता है। अतः इसके शुभ प्रभाव से आपको भाइयों से पूर्ण सुख एवं सहयोग मिलेगा तथा आपसी संबंधों में भी मधुरता उत्पन्न होगी। इस समय आपकी आत्मिक शक्ति में वृद्धि होगी तथा उत्साह एवं पराक्रम से कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही इस समय आपको संचार सुविधाएं यथा टेलीफोन आदि भी मिल सकता है। माता के स्वास्थ्य की दृष्टि से भी वर्ष उत्तम रहेगा तथा उनसे वांछित सहयोग की प्राप्ति होगी इस समय आपको भौतिक सुख साधनों की प्राप्ति होगी तथा इनमें वृद्धि भी होगी। साथ ही इस वर्ष में मकान जमीन जायदाद या वाहन आदि की भी प्राप्ति होगी। स्नातक परीक्षा देने वाले विद्यार्थियों के लिए शिक्षा की दृष्टि से यह वर्ष बहुत ही अच्छा रहेगा तथा उन्हें इस परीक्षा में वांछित सफलता की प्राप्ति होगी। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए अत्यन्त शुभफलदायक रहेगा। अतः सुअवसरों को हाथ से न जाने दें।

इसराफ योग

यदि शीघ्रगामी ग्रह मन्दगामी ग्रह से आगे हो तो इसराफ योग होता है। यह इत्थशाल का विपरीत होता है।

इसराफ योग मन्दगति ग्रह मंगल (मिथु 23:15:48), एवं शीघ्र गति ग्रह चंद्र (मेष 25:49:33), के मध्य बन रहा है।

वर्ष कुंडली में यह योग अच्छा नहीं माना जाता है। अतः इसके प्रभाव से इस वर्ष में आपके भाग्योदय में तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों की सिद्धि में विलम्ब होगा। इस समय कार्य क्षेत्र में भी आप अनावश्यक समस्याओं एवं परेशानी की अनुभूति कर सकते हैं। इसके अतिरिक्त मान सम्मान एवं प्रसिद्धि में भी न्यूनता आ सकती है। अतः वर्ष में ऐसा भी कोई कार्य सम्पन्न न करें जिससे आपको ऐसी समस्याओं का सामना करना पड़े। इस प्रकार संयमपूर्वक एवं सोचसमझकर कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

नक्त योग

यदि लग्नेश और कार्येश में दृष्टि न हो और उन दोनों के मध्य दीप्तांशों के अन्तर्गत ऐसा शीघ्रगामी ग्रह हो जो लग्नेश और कर्मेश को देखता हो तो यह एक ग्रह के तेज

को लेकर दूसरों को दे देता है। इस योग में किसी तीसरे व्यक्ति की सहायता से कार्य बनता है।

नक्त योग मंगल तथा गुरु के मध्य है क्योंकि शुक्र शीघ्र गति ग्रह है तथा दोनों को देख रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस समय स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्ति होगी तथा अविवाहितों का विवाह होगा। साथ ही स्त्री के द्वारा भाग्योन्नति भी हो सकती है। धन वैभव अर्जित करने के लिए भी वर्ष उत्तम होगा तथा स्ववाक्चातुर्य से अपने प्रभाव में वृद्धि करेंगे। उच्चाधिकारीवर्ग से आपको इस समय लाभ होगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय हैं वे राजनैतिक लाभ अर्जित करने में समर्थ होंगे।

यमया योग

यदि लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि न हो और कोई मन्दगति वाला ग्रह दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तथा दोनों को देखता हो तो वह मन्दगति ग्रह शीघ्रगति वाले ग्रह को तेज दे देता है।

यमया योग मंगल तथा गुरु के मध्य है क्योंकि शनि मन्दगति ग्रह है तथा लग्नेश एवं कार्येश दोनों को देखता है।

इस योग के शुभ प्रभाव से आपके कार्य क्षेत्र में वांछित उन्नति एवं सफलता की प्राप्ति होगी यदि नौकरी पर है तो पदोन्नति का अवसर मिलेगा जिससे मान सम्मान एवं अधिकारों की वृद्धि होगी। व्यापार के क्षेत्र में व्यापार में विस्तार होगा अथवा कोई नया कार्य प्रारंभ होगा जिससे भविष्य में लाभ के प्रबल योग बनेंगे। धनार्जन की दृष्टि से वर्ष उत्तम फलदायी होगा। इस समय आपकी आय में वृद्धि होगी तथा आप के आय स्रोत एक से अधिक होंगे जिससे आर्थिक सुदृढ़ता रहेगी। इसके अतिरिक्त प्रभावशाली लोगों से भी सम्पर्क स्थापित होंगे।

मणऊ योग

यदि लग्नेश एवं कर्मेश में इत्थशाल हो किन्तु कोई पाप ग्रह दोनों को या एक को भी शत्रु दृष्टि से देखता हो तथा दीप्तांशों के अन्तर्गत हो तो मणऊ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कम्बूल योग

यदि लग्नेश और कार्येश में परस्पर इत्थशाल हो तथा इन दोनों में एक से भी चन्द्रमा इत्थशाल करता हो तो कम्बूल योग बनता है।

कम्बूल योग मंगल और शनि के मध्य बन रहा है क्योंकि चन्द्रमा का शनि से इत्थशाल हो रहा है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आप बन्धुवर्ग से वांछित लाभ एवं सहयोग

अर्जित करेंगे तथा आपसी संबंधों में मधुरता का भाव होगा। इस समय दूर समीप की लाभदायक यात्राएं भी संपन्न होंगी। साथ ही आप स्वपराक्रम एवं बुद्धिमता से शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी संचार सुविधाओं यथा टेलीफोन आदि में वृद्धि होगी तथा यदि प्रकाशन आदि के इच्छुक हैं तो इस वर्ष में आपको वांछित सफलता मिलेगी।

गैरी कम्बूल योग

लग्नेश एवं कार्येश दोनों का इत्थशाल हो परंतु चन्द्रमा की इन पर दृष्टि न हो किन्तु वही चन्द्रमा बलवान होकर अग्रिम राशि में जाकर किसी अन्य बलवान ग्रह से इत्थशाल करे तो गैरी कम्बूल योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

खल्लासर योग

लग्नेश और कार्येश का परस्पर इत्थशाल हो लेकिन शून्यमार्गी चन्द्रमा किसी से इत्थशाल न करता हो तो खल्लासर नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

रदद योग

यदि लग्नेश और कार्येश में कोई ग्रह अस्त नीच शत्रु क्षेत्री अथवा 6, 8, 12 में हो और परस्पर इत्थशाली हो, क्रूर ग्रह से युक्त या दृष्ट हो तो रदद नामक योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुफालिकुत्थ योग

लग्नेश और कार्येश में इत्थशाल हो (1) इन दोनों में से मन्दगति वाला ग्रह अपनी उच्च राशि /स्वराशि /नवांश / द्रेष्काण आदि में बलवान हो तथा (2) शीघ्रगामी ग्रह अपनी उच्च स्वराशि में न हो तथा निर्बल हो तो दुफालिकुत्थ योग बनता है।

दुफालिकुत्थ योग मंगल एवं शनि के मध्य बन रहा है क्योंकि शीघ्रगति ग्रह मंगल दुर्बल है तथा मन्दगति ग्रह शनि बलिष्ठ है।

इस योग के शुभ प्रभाव से इस वर्ष आपके कार्य क्षेत्र में विशिष्ट उन्नति एवं सफलता के योग बनेंगे। नौकरी करने वालों को इस समय प्रोन्नति मिलेगी तथा मान सम्मान एवं आर्थिक स्तर में वांछित वृद्धि होगी। व्यापारिक क्षेत्र में इस समय आशातीत लाभ होगा एवं किसी नवीन योजना का शुभारम्भ भी होगा या वर्तमान कार्य में भी विस्तार हो सकता है। इस समय भाग्य की प्रबलता होगी तथा भाग्योदय के अवसर प्राप्त होंगे। इसके अतिरिक्त कोई धार्मिक या मांगलिक कार्य भी घर में सम्पन्न होगा। साथ ही पूंजीनिवेश के द्वारा भविष्य में लाभ के योग बनेंगे।

दुत्थकुत्थीर योग

यदि लग्नेश और कार्येश निर्बल होकर इत्थशाल करें और उनमें से एक किसी ग्रह से जो अपने उच्च या स्वग्रह में बैठा हो, बलवान हो इत्थशाल करे तो दुत्थकुत्थीर योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

तम्बीर योग

इस योग में लग्नेश और कार्येश की परस्पर दृष्टि नहीं होती किन्तु इन दोनों में से कोई एक ग्रह राशि के अन्त में होता है एवं आगामी राशि में स्वग्रही ग्रह से दीप्तांशों के अन्तर्गत इत्थशाल करता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

कुत्थ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश कार्येश बलवान हों तो कुत्थ योग बनता है।

आपकी वर्ष कुंडली में इस वर्ष इस योग की सृष्टि नहीं हो रही है।

दुरुफ योग

यदि वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश निर्बल हो तो दुरुफयोग बनता है।

इस वर्ष आपकी वर्ष कुंडली में लग्नेश एवं कार्येश दुर्बल है अतः दुरुपयोग बन रहा है।

इस योग के प्रभाव इस वर्ष आपको स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग की प्राप्त होगी तथा दाम्पत्य जीवन सुखपूर्वक व्यतीत होगा। इस समय अविवाहितों के विवाह होने के भी प्रबल योग बनेंगे। साझेदार से इस समय आपको वांछित लाभ एवं सहयोग मिलेगा तथा जो लोग राजनीति के क्षेत्र में सक्रिय हैं उन्हें राजनैतिक लाभ की अवश्य प्राप्ति होगी। कार्य क्षेत्र में उन्नति एवं सफलता के लिए भी वर्ष श्रेष्ठ माना जाएगा। इस समय नौकरी में पदोन्नति होगी जिससे मान सम्मान एवं धन की वृद्धि होगी। व्यापारी वर्ग के लिए वर्ष उत्तम फलदायक सिद्ध होगा तथा उनके कार्य में विस्तार होगा जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनेगी। अतः वर्ष का लाभ उठाने के लिए सतत प्रयत्नशील रहना चाहिए।

अथ वर्षशफलम्

वर्ष कुण्डली में जन्म लग्नेश, वर्ष लग्नेश, मुन्येश, त्रिराशिपति एवं दिवारात्रिपति में से जो सबसे बलवान हो तथा लग्न पर दृष्टि रखता हो, वर्षेश कहलाता है। इसका अपना विशिष्ट महत्व होता है। यह अपने शुभाशुभत्व से वर्ष के समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण घटनाओं को प्रभावित करता है क्योंकि यह वर्ष पंचाधिकार्यों में बलवान तथा लग्न पर प्रभाव रखता है अतः इसकी स्थिति अन्य समस्त ग्रहों से प्रबल हो जाती है तथा अधिकांश शुभाशुभ फल इसी के प्रभाव से प्राप्त होते हैं। पूर्णबली होने से सम्पूर्ण वर्ष में शुभ फल प्राप्त होते हैं, मध्यबली होने से शुभाशुभ मिश्रित फल तथा हीन बली होने से अनिष्ट फल अधिक मात्रा में प्राप्त होते हैं। यथा:-

वर्षेश्वरो भवति यः स दशाधिपेऽब्दे ।
ज्ञेयोऽखिलेऽब्दजनुषोर्बलमस्य चिन्त्यम् ॥

वीर्योन्वितेऽत्र निखिलं शुभमब्दमाहुः ।
हीनेत्वानिष्टफलता समता समत्वे ॥

._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*

इस वर्ष में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में कफ आदि रोगों से आप समय समय पर कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही मानसिक रूप से भी आपकी स्थिति अच्छी नहीं रहेगी तथा मन में तनाव एवं व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता भी रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध भी अधिक रहेगा फलतः यदा कदा अनावश्यक परेशानियां उत्पन्न होंगी। परिवार की सुख शान्ति तथा समृद्धि इस वर्ष में अच्छी नहीं रहेगी तथा पुत्र एवं स्त्री से संबंधों में तनाव तथा परस्पर कलह का भाव रहेगा जिससे दाम्पत्य सुख में न्यूनता रहेगी। धर्म के प्रति भी इस समय आपकी श्रद्धा कम ही रहेगी तथा धार्मिक प्रवृत्तियों की आप उपेक्षा करेंगे। साथ ही सुख संसाधनों में भी अल्पता रहेगी तथा सुख भी अल्प मात्रा में प्राप्त होगा। इस समय समाज में लोकोपवाद से आपकी मान हानि की संभावना रहेगी फलतः मानसिक व्याकुलता की आपको अनुभूति होगी।

व्यापारिक तथा कार्यक्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अनुकूल नहीं रहेगा तथा व्यापारिक उन्नति तथा सफलता में व्यवधान उत्पन्न होंगे साथ ही हानि की भी संभावना रहेगी। नौकरी या राजनीति में इस समय आपकी उन्नति में विलम्ब होगा तथा इसमें रुकावटें भी आएंगी। शत्रु पक्ष से इस समय आप चिन्तित भयभीत तथा पराजित रहेंगे तथा समाज में अन्य जनों से आपका कलह भी होता रहेगा जिससे समाजिक मान सम्मान तथा यश में कमी आएगी। इस समय बन्धुवर्ग से भी आपको तिरस्कृत होना पड़ेगा तथा वे आपको कोई भी सहयोग प्रदान नहीं करेंगे। इसके अतिरिक्त आर्थिक रूप से भी आप परेशान रहेंगे तथा धनाभाव से कष्ट प्राप्त होगा। इस प्रकार यह वर्ष आपके लिए प्रतिकूल रहेगा। अतः शान्ति पूर्वक अपना समय व्यतीत करें।

अथ वर्षलग्नेशाफलम्

वर्ष लग्न के स्वामी को वर्षलग्नेश कहते हैं। वर्ष के पंचाधिकारियों में इसकी विशेष महत्ता है। अतः वर्ष की अनेक शुभाशुभ घटनाओं में लग्नेश का प्रभाव रहता है। साथ ही जातक के स्वास्थ्य, कार्य एवं भाग्य को वर्ष में यह विशेष रूप से प्रभावित करता है। यदि वर्ष लग्नेश पंचवर्गी बल से पूर्ण बलवान हो और उसे शुभ ग्रह देखते हों या शुभ ग्रहों से युति हो और स्वयं केन्द्र तथा त्रिकोण स्थान में स्थित हो तो वह सम्पूर्ण अरिष्टों को नष्ट करके सुख और धन देता है। यथा:-

लग्नाधिपो बलयुतः शुभेक्षित युतोऽपि वा।
केन्द्रत्रिकोणगोऽरिष्टम् नाशयेत्सुखवित्तदः॥

._*_._*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_*_

शारीरिक स्वास्थ्य की दृष्टि से यह वर्ष आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा समय समय पर आप शारीरिक रूप से कष्ट प्राप्त करेंगे जिससे शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा स्वभाव में क्रोध की अधिकता रहेगी। मानसिक स्थिति भी इस समय आपकी अशान्त रहेगी तथा मन में उद्विग्नता तथा व्याकुलता का भाव विद्यमान रहेगा। इस वर्ष यात्राओं से आपको हानि होगी तथा यात्रा के मध्य कोई कष्ट भी हो सकता है अतः लम्बी दूरी की यात्राओं की आपको उपेक्षा करनी चाहिए। शत्रु पक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे एवं उनसे आपको अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न होंगी। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी विलम्ब से सिद्ध होंगे एवं आशाओं में भी असफलता मिलेगी। इस समय रक्त विकार या किसी दुर्घटना आदि से भी आपको कोई परेशानी हो सकती है। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आपकी उपेक्षा रहेगी तथा धार्मिक कृत्यों का अनुपालन नहीं करेंगे।

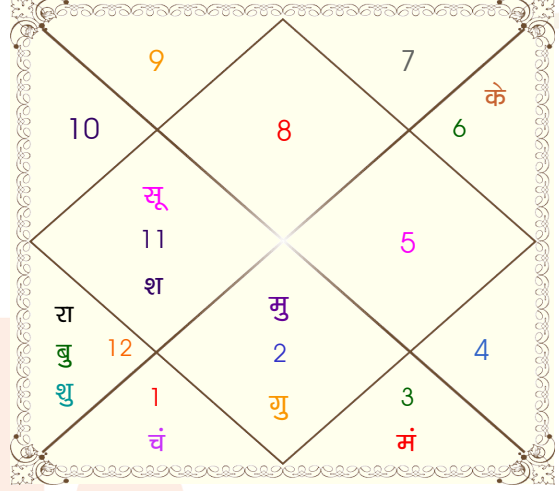
व्यापारिक तथा कार्य क्षेत्र की उन्नति के लिए भी वर्ष अच्छा नहीं रहेगा। व्यापार में इस समय आपकी हानि की संभावना रहेगी तथा अनावश्यक समस्याएं भी उत्पन्न होंगी। इस समय लाभ मार्ग भी अवरुद्ध होंगे तथा आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी। साथ ही व्ययाधिक्य या हानि के कारण आपको आर्थिक परेशानी का सामना करना पड़ेगा। नौकरी या राजनीति में भी पदोन्नति में विलम्ब तथा व्यवधान उत्पन्न होंगे तथा वरिष्ठ नेताओं या उच्चाधिकारी वर्ग से आपके संबंधों में तनाव रहेगा जिससे इनके कारण भी आप किसी परेशानी में फंस सकते हैं। अतः इनकी उपेक्षा न करें तथा सावधान भी रहें। इसके अतिरिक्त समाजिक मान प्रतिष्ठा में भी कमी रहेगी। अतः समय की प्रतिकूलता को देखकर धैर्य पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

प्रथम मास

05/03/2025 01:13:06 से 04/04/2025 05:43:17 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:09:28
सूर्य	कुम्भ	पू०भाद्रपद	20:16:24
चन्द्र	मेष	भरणी	25:49:33
मंगल	मिथुन	पुनर्वसु	23:15:48
बुध	मीन	उ०भाद्रपद	07:50:11
गुरु	वृष	रोहिणी	18:23:18
शुक्र	व मीन	उ०भाद्रपद	16:27:55
शनि	कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:56:55
राहु	मीन	पू०भाद्रपद	03:14:36
केतु	कन्या	उ०फाल्गुनी	03:14:36
मुंथा	वृष	कृतिका	07:48:46

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा। इस समय स्त्री पक्ष तथा बन्धु जनों से आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही शत्रु की तरफ से भी चिन्ता बनी रहेगी। आप में इस समय उत्साह की न्यूनता भी परिलक्षित होगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। आप शरीर से भी अस्वस्थता की अनुभूति करेंगे तथा मन में लालच के भाव की भी प्रधानता होगी। साथ ही आप अपने शरीर का पूर्ण ध्यान नहीं रखेंगे। अपने बन्धुजनों से आपके सम्बन्धों में तनाव भी उत्पन्न होगा एवं मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे जिससे मानसिक तनाव बना रहेगा। इसके अतिरिक्त अन्य जनों से भी संघर्ष होने का भय बना रहेगा।

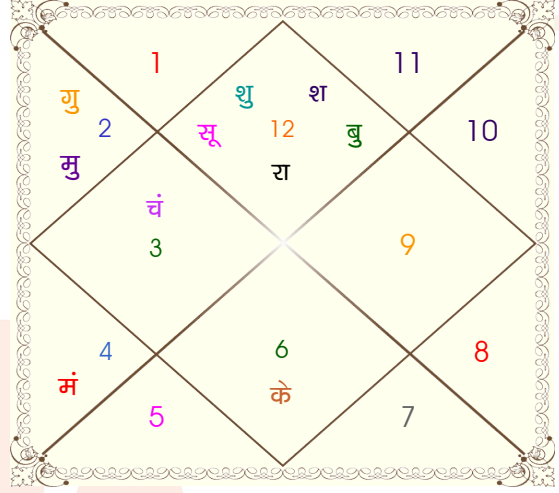
परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी समय समय पर घटित होंगे। अतः आप स्त्री से सुख प्राप्त करेंगे एवं बुद्धिमत्ता से अपने अधिकांश कार्यों को सम्पन्न करेंगे। साथ ही धर्मानुपालन में भी आप रुचिशील रहेंगे। अतः आपका यह मास मध्यम रूप से ही व्यतीत होगा।

द्वितीय मास

04/04/2025 05:43:17 से 04/05/2025 22:40:56 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मीन	रेवती	16:40:18
सूर्य	मीन	रेवती	20:16:24
चन्द्र	मिथुन	मृगशिरा	06:35:35
मंगल	कर्क	पुनर्वसु	00:24:05
बुध	व मीन	पू०भाद्रपद	03:09:57
गुरु	वृष	रोहिणी	22:14:35
शुक्र	व मीन	पू०भाद्रपद	02:03:58
शनि	मीन	पू०भाद्रपद	00:38:21
राहु	व मीन	पू०भाद्रपद	03:05:09
केतु	व कन्या	उ०फाल्गुनी	03:05:09
मुंथा	वृष	रोहिणी	10:18:46

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिए उत्तम रहेगा तथा इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार के सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपको यश तथा सम्मान की भी प्राप्ति होगी। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूजा तथा सत्कार की भावना उत्पन्न होगी। आप अन्य जनों की भलाई के लिए भी तत्पर रहेंगे एवं यत्नपूर्वक इसे सम्पन्न करेंगे। आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करके यश की प्राप्ति करेंगे। साथ ही आपकी मानप्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस मास भाइयों से आप पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने मानसिक विचारों तथा संकल्पों को भी पूर्ण करने में आप सफल रहेंगे।

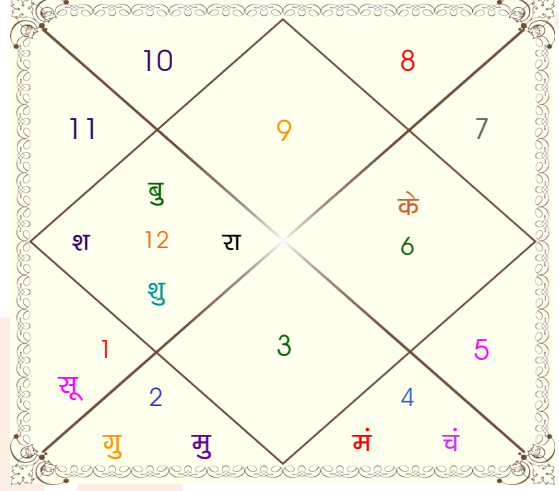
साथ ही अन्य शुभ फलों के प्रभाव में भी नित्य वृद्धि होती रहेगी। इससे शरीर में आरोग्यता मन में संतुष्टि एवं बुद्धि के प्रभाव में वृद्धि होगी। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फलदायक होगा एवं मानसिक रूप से आप पूर्ण प्रसन्न रहेंगे।

तृतीय मास

04/05/2025 22:40:56 से 05/06/2025 02:32:59 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	धनु	पूर्वाषाढा	19:34:50
सूर्य	मेष	भरणी	20:16:24
चन्द्र	कर्क	आश्लेषा	21:54:44
मंगल	कर्क	पुष्य	13:06:28
बुध	मीन	रेवती	26:36:01
गुरु	वृष	मृगशिरा	27:54:39
शुक्र	मीन	उ०भाद्रपद	08:10:24
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	04:00:27
राहु	मीन	पू०भाद्रपद	02:05:03
केतु	कन्या	उ०फाल्गुनी	02:05:03
मुंथा	वृष	रोहिणी	12:48:46

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ फल दायक रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता भी विद्यमान रहेगी। आपके शत्रु इस समय अधिक प्रबल होंगे फलतः शत्रु पक्ष से भय तथा चिन्ता बनी रहेगी। आपके घर में इस समय चोरी भी हो सकती है। अतः सावधान रहने की आवश्यकता रहेगी। नौकरी या व्यवसाय में अपने उच्चाधिकारी वर्ग की उपेक्षा न करें अन्यथा आप किसी प्रकार से दंडित या जुर्माना प्राप्त कर सकते हैं। इस मास आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही पूर्ण होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा। इसके साथ ही आप किसी कठोर कार्य को भी सम्पन्न कर सकते हैं। जिसका प्रभाव आपकी प्रतिष्ठा पर पड़ेगा तथा इससे आपको बाद में पछताना पड़ेगा। आपकी मित्रों तथा सम्बन्धियों से भी इस समय सम्बन्धों में तनाव रहेगा तथा आशाओं में पूर्ण सफलता प्राप्त करने में भी असमर्थ रहेंगे।

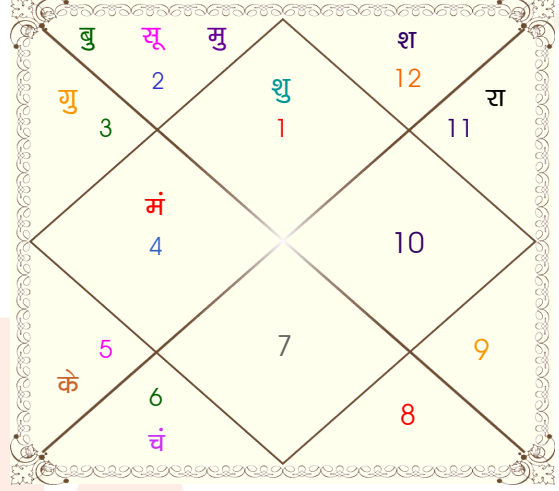
साथ ही इस समय आप पित्तादि दोषों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रूधिर विकार की भी सम्भावना हो सकती है। अतः इस मास शारीरिक सुरक्षा का भी आपको पूर्ण ध्यान रखना चाहिए जिससे अल्प मात्रा में ही कष्ट हो।

चतुर्थ मास

05/06/2025 02:32:59 से 06/07/2025 12:40:38 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मेष	अश्विनी	03:21:56
सूर्य	वृष	रोहिणी	20:16:24
चन्द्र	कन्या	उ०फाल्गुनी	09:28:56
मंगल	कर्क	आश्लेषा	28:55:31
बुध	वृष	मृगशिरा	27:15:39
गुरु	मिथुन	मृगशिरा	04:39:27
शुक्र	मेष	अश्विनी	04:29:03
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	06:31:12
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	29:43:33
केतु	व सिंह	उ०फाल्गुनी	29:43:33
मुंथा	वृष	रोहिणी	15:18:46

मासाधिपति



मासाधिपति : गुरु

इस मास को आप सुख एवं शान्ति पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे इस समय आप अपने उत्साह एवं परिश्रम से धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ता प्रदान करेंगे। साथ ही समाज में आपका यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धु वर्ग से आप यथोचित आदर तथा सम्मान प्राप्त करेंगे तथा स्वयं भी उनको अपना वांछित सहयोग प्रदान करेंगे। उच्चाधिकार प्राप्त वर्ग का आपको पूर्ण संरक्षण तथा आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उचित लाभ एवं सहायता प्राप्त कर सकेंगे। साथ ही इस महीने में आप मिष्टान का भक्षण अधिक मात्रा में करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न एवं शान्त रहेंगे। साथ ही शत्रु वर्ग को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे तथा वे आपसे चिन्तित एवं भय की अनुभूति करेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्य के द्वारा भी आप धनार्जन करने में सफल रहेंगे।

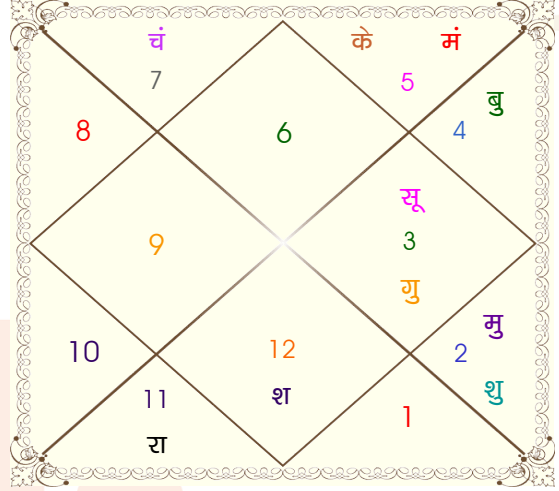
साथ ही इस मास में आप अपने श्रेष्ठ जनों या उच्चाधिकारियों से सहयोग प्राप्त करेंगे जिससे आपके कार्यक्षेत्र में उन्नति या विस्तार होने की सम्भवाना बढ़ेगी। इस समय आप दूर समीप की यात्रा भी कर सकते हैं तथा नवीन वस्तुओं या वस्त्रों आदि की भी आपको प्राप्ति हो सकेगी।

पंचम् मास

06/07/2025 12:40:38 से 06/08/2025 22:33:20 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	कन्या	चित्रा	29:12:45
सूर्य	मिथुन	पुनर्वसु	20:16:24
चन्द्र	तुला	विशाखा	28:20:26
मंगल	सिंह	पू०फाल्गुनी	16:38:25
बुध	कर्क	पुष्य	16:05:08
गुरु	मिथुन	आर्द्रा	11:48:23
शुक्र	वृष	कृतिका	07:36:37
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	07:40:50
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	26:40:32
केतु	व सिंह	उ०फाल्गुनी	26:40:32
मुंथा	वृष	रोहिणी	17:48:46

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप अधिकांश शुभ फल अर्जित करेंगे परन्तु अल्प मात्रा में अशुभ फल भी घटित होते रहेंगे। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेगा। साथ ही इस महीने में आप किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकते हैं। संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा उनकी तरफ से आपको कोई चिन्ता नहीं रहेगी साथ ही धार्मिक क्षेत्र में आपकी श्रद्धा में वृद्धि होगी एवं देवता तथा ब्राहमणों का आप श्रद्धा पूर्वक पूजन तथा सेवा करेंगे। समाज में आपकी मान प्रतिष्ठा में इस समय में पूर्ण वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबन्धी कार्य में भी आपको सफलता प्राप्त होगी।

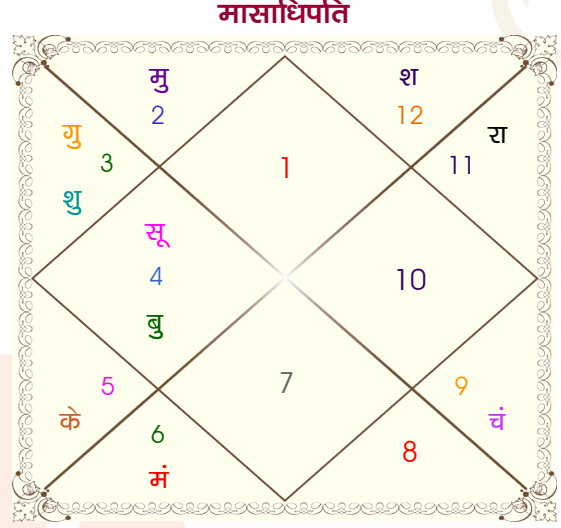
इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता का भाव रहेगा तथा लाभ दायक यात्रा का भी योग बनेगा। उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण आदर तथा सम्मान प्राप्त होगा मित्रों एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा उनसे आपको उचित सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा। इस समय आप समाज में सम्पन्न एवं प्रतिष्ठित व्यक्ति समझे जाएंगे।

परन्तु इस मास में आप गर्मी या पित्तादि से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार का भय भी रहेगा अतः सावधानी तथा सतर्कता पूर्वक अपने कार्य कलापों को सम्पन्न करें।

षष्ठ मास

06/08/2025 22:33:20 से 07/09/2025 01:44:56 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मेष	अश्विनी	05:48:26
सूर्य	कर्क	आश्लेषा	20:16:24
चन्द्र	धनु	पूर्वाषाढा	18:23:23
मंगल	कन्या	उ०फाल्गुनी	05:37:12
बुध	व कर्क	पुष्य	11:09:10
गुरु	मिथुन	आर्द्रा	18:42:21
शुक्र	मिथुन	आर्द्रा	13:23:12
शनि	व मीन	उ०भाद्रपद	07:13:16
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:33:23
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	24:33:23
मुंथा	वृष	रोहिणी	20:18:46



मासाधिपति : गुरु

इस मास में आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। साथ ही समाज से भी आप उचित मान सम्मान प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा बढ़ेगी तथा उनसे पूर्ण सहयोग तथा सुख भी प्राप्त होगा। उच्चाधिकारी वर्ग से आप आश्रय प्राप्त करेंगे एवं अपने कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप मिष्ठान अधिक मात्रा में भक्षण करेंगे साथ ही आपका स्वास्थ्य उत्तम रहेगा फलतः शारीरिक बल में वृद्धि होगी। इस समय आपके शत्रु क्षीण रहेंगे अतः उनका दमन करने में आप को सफलता प्राप्त होगी। स्त्री से आप पूर्ण सुख एवं सहयोग अर्जित करेंगे। इसके साथ ही व्यापार आदि कार्यों से भी आप अतिरिक्त आय अर्जित होगी जिससे आर्थिक सुदृढ़ता बनी रहेगी।

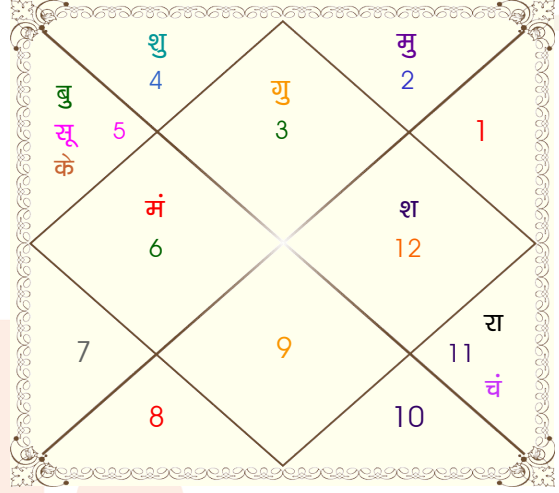
साथ ही इस मास में आप महिला सहयोगियों से भी लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी अतः आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। धर्म के प्रति भी आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक उत्सव या कार्यक्रम का भी आयोजन कर सकेंगे। इस प्रकार यह मास आपके लिए उत्तम फलदायक रहेगा।

सप्तम् मास

07/09/2025 01:44:56 से 07/10/2025 17:48:00 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मिथुन	पुनर्वसु	24:43:52
सूर्य	सिंह	पू०फाल्गुनी	20:16:24
चन्द्र	कुम्भ	शतभिषा	08:18:19
मंगल	कन्या	चित्रा	25:30:30
बुध	सिंह	पू०फाल्गुनी	14:03:47
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	24:40:42
शुक्र	कर्क	आश्लेषा	20:22:42
शनि	व मीन	उ०भाद्रपद	05:23:21
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	24:07:11
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	24:07:11
मुंथा	वृष	रोहिणी	22:48:46

मासाधिपति



मासाधिपति : बुध

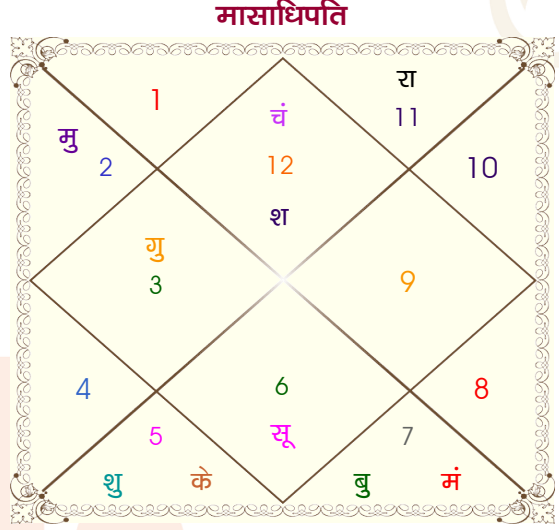
यह मास आपके लिये मध्यम रहेगा तथा शुभाशुभ दोनों प्रकार के फल आप प्राप्त करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा आप दुर्जनों की संगति में सम्मिलित होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी इस समय विशेष अच्छा नहीं रहेगा। साथ ही अत्यन्त परिश्रम एवं पराक्रम से ही आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को अल्प मात्रा में सिद्ध करने में सफलता प्राप्त कर सकेंगे। धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा की अपेक्षा उपेक्षा का ही भाव अधिक रहेगा। साथ ही अन्य प्रकार से भी धन हानि या व्यय के योग बनेंगे। इस मास में मित्रों तथा संबधियों से आपके सम्बन्ध मधुर नहीं रहेंगे तथा आपस में मन मुटाव तथा तनाव का वातावरण विद्यमान रहेगा। नौकरी या व्यापार आदि में भी इस समय अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी एवं शत्रुपक्ष से भी भय एवं चिन्ता का भाव रहेगा। जिस कार्य को भी आप इस मास में सम्पन्न करना चाहेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी। अतः इससे आप मानसिक रूप से अशान्त तथा अप्रसन्न रहेंगे।

परंतु अशुभ फलों के साथ साथ यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा बुद्धि भी निर्मल रहेगी तथा बुद्धिमता से आपके कार्य सम्पन्न होंगे तथा अन्य प्रकार से भी सुखी रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आपके मन में श्रद्धा उत्पन्न होगी तथा इस मास में किसी धार्मिक कार्य को भी आप सम्पन्न कर सकते हैं।

अष्टम् मास

07/10/2025 17:48:00 से 06/11/2025 21:24:38 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मीन	रेवती	22:58:52
सूर्य	कन्या	हस्त	20:16:24
चन्द्र	मीन	रेवती	25:12:56
मंगल	तुला	स्वाति	16:06:08
बुध	तुला	स्वाति	07:00:41
गुरु	मिथुन	पुनर्वसु	28:59:19
शुक्र	सिंह	उ०फाल्गुनी	27:53:11
शनि	व मीन	पू०भाद्रपद	03:03:29
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	23:59:30
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	23:59:30
मुंथा	वृष	मृगशिरा	25:18:46



मासाधिपति : गुरु

यह मास आपके लिये सामान्यतया शुभ रहेगा तथापि अल्प मात्रा में अशुभ फल भी होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखोपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में आपकी प्रतिष्ठा तथा यश में भी वृद्धि होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना उत्पन्न होगी तथा श्रद्धा पूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही समाज में अन्य लोगों की भलाई करने में भी आप तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी जिससे आप मानसिक रूप से प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे।

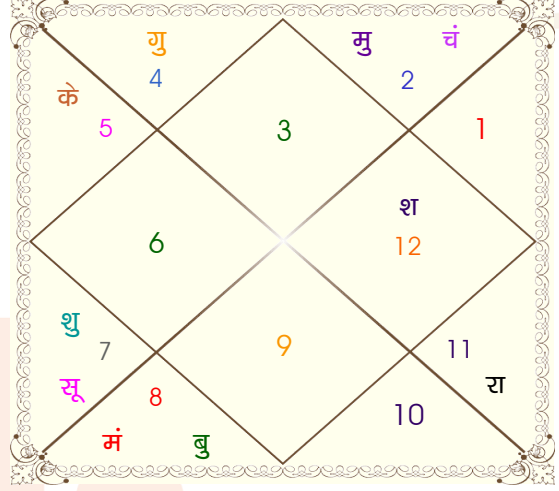
परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिससे बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि के द्वारा भी आप हानि प्राप्त कर सकते हैं। अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

नवम् मास

06/11/2025 21:24:38 से 06/12/2025 14:35:56 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मिथुन	पुनर्वसु	20:09:43
सूर्य	तुला	विशाखा	20:16:24
चन्द्र	वृष	कृतिका	06:08:48
मंगल	वृश्चिक	अनुराधा	07:18:08
बुध	वृश्चिक	अनुराधा	11:58:50
गुरु	कर्क	पुनर्वसु	00:53:30
शुक्र	तुला	चित्रा	05:25:46
शनि	व मीन	पू०भाद्रपद	01:20:39
राहु	व कुम्भ	पू०भाद्रपद	22:24:58
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	22:24:58
मुंथा	वृष	मृगशिरा	27:48:46

मासाधिपति



मासाधिपति : शुक्र

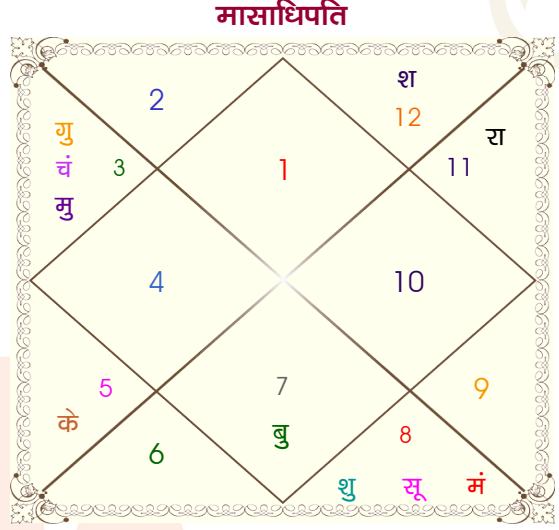
यह महीना आपके लिए अशुभ तथा परेशानियां उत्पन्न करने वाला रहेगा। इस समय आपका व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट मनुष्यों से आपका मेल मिलाप रहेगा। साथ ही आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी अच्छा नहीं रहेगा तथा विभिन्न प्रकार से आप कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में अत्यंत परिश्रम करने पर भी सफलता अल्प मात्रा में ही प्राप्त होगी। धर्म के प्रति भी आपमें श्रद्धा की भावना नहीं रहेगी एवं धन हानि के योग भी बनते रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके संबंध विशेष मधुर नहीं रहेंगे एवं उनसे किसी भी प्रकार का सुख या सहयोग नहीं मिलेगा। इस मास में आप जो भी कार्य प्रारम्भ करेंगे उसमें आपको व्यवधानों का सामना करना पड़ेगा जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही शत्रुओं से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपके संकल्प भी इस समय अपूर्ण ही रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः इस मास में शारीरिक स्वास्थ्य एवं सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें तथा अपने कार्यों को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

दशम् मास

06/12/2025 14:35:56 से 05/01/2026 01:59:46 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	मेष	अश्विनी	06:29:27
सूर्य	वृश्चिक	ज्येष्ठा	20:16:24
चन्द्र	मिथुन	आर्द्रा	10:18:00
मंगल	वृश्चिक	ज्येष्ठा	29:04:34
बुध	तुला	विशाखा	29:46:13
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	29:55:53
शुक्र	वृश्चिक	अनुराधा	12:44:30
शनि	मीन	पू०भाद्रपद	00:59:53
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	19:14:23
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	19:14:23
मुंथा	मिथुन	मृगशिरा	00:18:46



मासाधिपति : गुरु

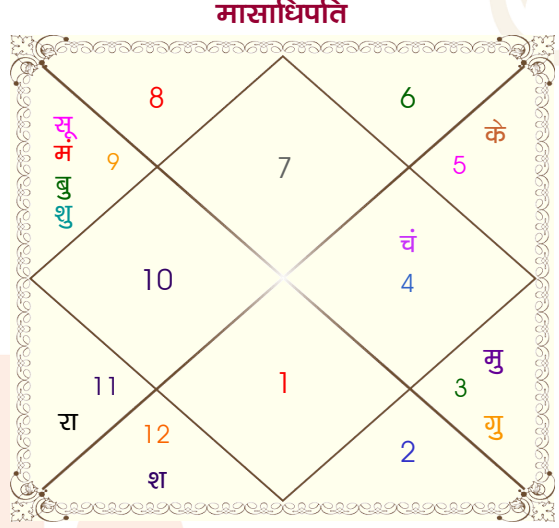
यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

एकादश मास

05/01/2026 01:59:46 से 03/02/2026 13:37:21 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	तुला	स्वाति	17:22:45
सूर्य	धनु	पूर्वाषाढ़ा	20:16:24
चन्द्र	कर्क	पुष्य	09:51:42
मंगल	धनु	पूर्वाषाढ़ा	21:25:29
बुध	धनु	मूल	10:21:10
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	26:37:35
शुक्र	धनु	पूर्वाषाढ़ा	19:50:02
शनि	मीन	पू०भाद्रपद	02:10:53
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	16:10:48
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	16:10:48
मुंथा	मिथुन	मृगशिरा	02:48:46



मासाधिपति : चन्द्र

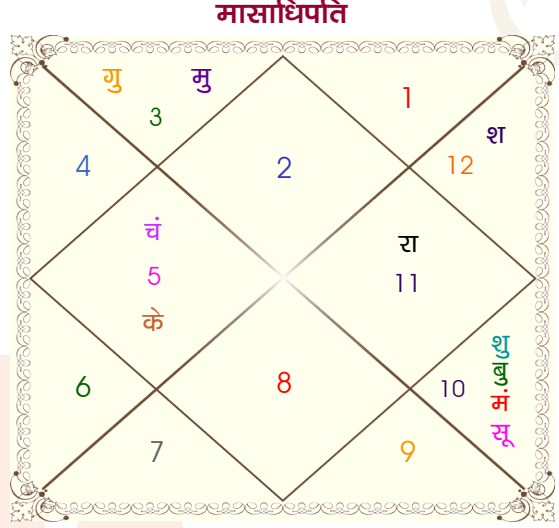
यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबंधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

द्वादश मास

03/02/2026 13:37:21 से 05/03/2026 07:26:46 तक

ग्रह	व राशि	नक्षत्र	अंश
लग्न	वृष	रोहिणी	23:08:22
सूर्य	मकर	श्रवण	20:16:24
चन्द्र	सिंह	मघा	08:29:47
मंगल	मकर	श्रवण	14:20:08
बुध	मकर	धनिष्ठा	29:23:29
गुरु	व मिथुन	पुनर्वसु	22:52:55
शुक्र	मकर	धनिष्ठा	26:53:16
शनि	मीन	उ०भाद्रपद	04:39:00
राहु	व कुम्भ	शतभिषा	14:48:40
केतु	व सिंह	पू०फाल्गुनी	14:48:40
मुंथा	मिथुन	मृगशिरा	05:18:46



मासाधिपति : शुक्र

इस मास में आप सामान्यतया शुभ फल ही प्राप्त करेंगे तथापि अशुभ फल भी न्यूनाधिक रूप से प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम एवं उत्साह से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही परिवार एवं सामाजिक जनों से आपको यथोचित सम्मान प्राप्त होगा तथा उनमें आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा उनका आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होता रहेगा। साथ ही इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा फलतः आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध हो जाएंगे। मिष्टान्न के प्रति इस समय आपके मन में तीव्र इच्छा उत्पन्न होगी। आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा एवं शारीरिक बल में पूर्ण वृद्धि होगी। शत्रु आपसे इस समय निर्बल रहेंगे तथा उन्हें पराजित तथा भयभीत करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से भी आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अतिरिक्त साधनों से धनार्जन करने में भी सफल रहेंगे।

साथ ही इस मास में शुभफलों के साथ साथ अशुभफल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पित रोग से शारीरिक अस्वस्थता प्राप्त करेंगे एवं रक्त विकार की भी संभावना हो सकती है। अतः शारीरिक सुरक्षा का इस समय पूर्ण ध्यान रखना चाहिए तथा सावधानी पूर्वक अपने कार्यों को संपन्न करना चाहिए।

वार्षिक फलादेश - 2024

इस वर्ष शनि कुम्भ राशि में द्वादश भाव में और राहु मीन राशि में लग्न में रहेंगे। वर्षारम्भ में गुरु मेष राशि में द्वितीय भाव में रहेंगे और 1 मई को वृष राशि में तृतीय भाव में गोचर करेंगे। मंगल ग्रह अपनी सरल गति से गोचर करेंगे। 29 अप्रैल से 28 जून तक शुक्र अस्त रहेंगे।

व्यवसाय

व्यवसाय की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य फलदायक रहेगा। द्वादशस्थ शनि के प्रभाव से आप अपने कार्यों को अंजाम तक पहुंचाने में कठिनाई का अनुभव करेंगे। आपके कार्य क्षेत्र में गुप्त शत्रुओं द्वारा रुकावटें डाली जा सकती हैं। इसलिए बिना किसी पर विश्वास किये आप बौद्धिक शक्ति के अनुसार कार्य करते रहें। नौकरी करने वालों को अपने कार्यस्थल पर मान सम्मान प्राप्त होगा।

अप्रैल के बाद कार्य व्यवसाय के लिए समय अनुकूल हो रहा है। सप्तम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि व्यापारिक व्यक्तियों के लिए शुभ है। जो व्यक्ति साझेदारी में कार्य कर रहे हैं उनको लाभ प्राप्त होगा। आपको साझेदार का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा। कार्य व्यवसाय में आपको जीवनसाथी का सहयोग प्राप्त होगा।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ सामान्य रहेगा। द्वितीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपके धनागम में निरंतरता बनी रहेगी।

अष्टम स्थान पर गुरु ग्रह की दृष्टि पैतृक सम्पत्ति, या ससुराल से धन प्राप्त होने का योग बन रही है। अप्रैल के बाद धार्मिक व सामाजिक कार्यों में भी आप धन व्यय करेंगे, जिससे आपको आत्मिक प्रसन्नता का अनुभव होगा।

घर-परिवार, समाज

पारिवारिक दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ अच्छा रहेगा। वर्षारम्भ में द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके परिवार में किसी सदस्य की वृद्धि होगी। यह वृद्धि विवाह या जन्म के माध्यम से हो सकती है। आपके परिवार में एक दूसरे के प्रति समर्पण की भावना होने के कारण परिवार में सुख शान्ति का वातावरण बना रहेगा।

अप्रैल के बाद भाइयों का पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा, जिससे समाज में आपका पराक्रम बना रहेगा। सामाजिक गतिविधियों में भाग लेंगे। समाजिक उत्थान के लिए आप किसी संस्था का संचालन भी कर सकते हैं।

संतान

संतान के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल है। द्वितीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके बच्चों की उन्नति होगी। आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। अप्रैल के बाद आपकी दूसरी संतान के लिए समय बहुत शुभ है।

गर्भाधान हेतु समय शुभ है। आपका दूसरा बच्चा विवाह के योग्य है तो उसका विवाह हो जाएगा। इस समय के अंतराल में आपके बच्चों के साथ आपका भावनात्मक लगाव बढ़ेगा।

स्वास्थ्य

लग्नस्थ राहु के प्रभाव से आप छोटी-मोटी बीमारियों के कारण परेशान हो सकते हैं। यदि पहले से कोई रोग है तो सावधानी बरतें। संतुलित खान-पान के साथ साथ दिनचर्या भी अनुशासित रखें।

सुबह सुबह व्यायाम व योगाभ्यास करें। समय का सदुपयोग कर अपनी जीवनशैली बेहतर बनाने की कोशिश करें। किसी आर्थिक मुद्दे को लेकर या किसी विरोधी के कारण दिमागी तनाव न पालें। चिड़-चिड़े न बनें अन्यथा इन सबका आपकी सेहत पर विशेष प्रभाव पड़ेगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। षष्ठ स्थान पर शनि एवं गुरु के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से आप प्रतियोगिता परीक्षा में आगे रहेंगे। कुछ अनुभवी व्यक्तियों से मिलकर आप अपनी कार्यशैली में सुधार लाएंगे। सरकारी अफसरों और वरिष्ठ लोगों का सहयोग प्राप्त होगा, जिससे आपको कार्यों में लाभ प्राप्त हो सकता है।

बेरोजगार लोगों को नौकरी मिलने की संभावना है। अप्रैल के बाद समय थोड़ा प्रभावित हो सकता है। उस समय आपको सफलता प्राप्ति के लिए अधिक मेहनत करनी पड़ सकती है।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अनुकूल रहेगा। द्वादश स्थान के शनि विदेश यात्रा के प्रबल योग बना रहे हैं। अप्रैल के बाद तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपकी छोटी यात्राओं के साथ लम्बी यात्राएं भी होती रहेंगी।

यात्रा के दौरान या वाहनादि चलाते समय सावधानी बहुत जरूरी है, क्योंकि इस वर्ष राहु एवं शनि ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्यों के लिए वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। ईश्वर के प्रति आपके मन में अटूट विश्वास बना रहेगा। परन्तु लग्नस्थ राहु के प्रभाव से आप आलसी हो सकते हैं, जिससे दैनिक पूजा-पाठ प्रभावित हो सकता है।

- शनिवार के दिन सुबह सुबह पीपल के वृक्ष को जल चढ़ाएं एवं सन्ध्या के समय चौमुखी दीपक जलाएं।
- प्रत्येक मंगलवार को हनुमान जी को चोला चढ़ाएं।
- अपने गले में दुर्गा बीसा यन्त्र कवच धारण करें।



मासिक फलादेश

जनवरी 2024 के लिए फलादेश

इस मास को आप सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा समाज से आप यथोचित आदर एवं सम्मान प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान मिलेगा एवं उनसे आप वांछित लाभ भी प्राप्त करेंगे तथा आपसे वे पूर्ण प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे। मित्रों एवं बन्धुओं से आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे इच्छित सहयोग की आपको प्राप्ति होगी। साथ ही आपके अधिकांश शुभ कार्य इस मास में सम्पन्न होंगे। देवता एवं ब्राहमणों में भी आपकी श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करेंगे। सन्तति पक्ष से भी आप निश्चिन्त रहेंगे एवं उनसे आप वांछित सुख भी प्राप्त करेंगे। साथ ही बन्धु एवं मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आपके पूर्व संकल्प भी इस मास में पूर्ण होंगे जिससे मानसिक रूप से भी शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा महिला सहयोगियों से पूर्ण सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा धर्मानुपालन में भी आप तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं।

फरवरी 2024 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ फल दायक रहेगा परन्तु न्यूनाधिक अशुभ फल भी होंगे। इस समय आप स्त्रीवर्ग से पूर्ण लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा आपके भाग्य में भी वृद्धि होगी जिससे आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य समय पर पूर्ण होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप लाभार्जन करने में सफल रहेंगे। इस मास में आपका स्वास्थ्य ठीक ही रहेगा तथा मन में भी शान्ति रहेगी। अध्ययन के प्रति भी आप की रुचि उत्पन्न होगी तथा इसमें आप सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों एवं संबंधियों से आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे आपको इच्छित सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस मास में आप को मनोवांछित द्रव्य पदार्थों की भी प्राप्ति होगी। इसके अतिरिक्त बन्धुवर्ग में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा विगत असफल आशाओं में भी सफलता प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप गर्मी या पितरोगों से शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही रुधिर विकार की भी संभावना रहेगी। अतः इस समय शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सावधान रहें तथा बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

मार्च 2024 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अशुभ अधिक तथा शुभ अल्प मात्रा में रहेगा। इस समय

आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्ट जनों की संगति प्राप्त होगी जिससे आप कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आपकी आर्थिक स्थिति भी अच्छी नहीं रहेगी जिससे मन में अशान्ति का भाव विद्यमान रहेगा। इस समय शरीर में दुर्बलता रहेगी तथा आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य कठिन परिश्रम करने के बाद भी सफल नहीं होंगे। इस मास में धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी तथा देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आप उपेक्षा का भाव रखेंगे। साथ ही अन्य प्रकार से भी आपको धन हानि होती रहेगी। इस समय मित्रों एवं बन्धुओं से आपके अच्छे संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मन मुटाव रहेगा। साथ ही कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक व्यवधान उत्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त शत्रुपक्ष से भी आप भयभीत एवं चिन्तित रहेंगे तथा जिस कार्य को प्रारम्भ करेंगे उसी में असफलता मिलेगी। अतः संयम पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

परन्तु इस मास में शुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप स्त्री एवं पुत्र से वांछित सहयोग अर्जित करेंगे तथा इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि को भी प्राप्त कर सकते हैं। इस प्रकार यह मास आपके लिए शुभाशुभ फलों से युक्त होकर व्यतीत होगा।

अप्रैल 2024 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभफल प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे। साथ ही इस मास आपके पराक्रम में वृद्धि होगी तथा शत्रुपक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे। इस समय आपके लाभ मार्ग प्रशस्त रहेंगे अतः आर्थिक स्थिति अत्यंत ही सुदृढ़ रहेगी। नौकरी या व्यापार के अतिरिक्त आप अन्य स्रोतों से भी लाभार्जन करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपके भाग्योदय संबंधी कार्य भी सम्पन्न होंगे एवं कोई ऐसा महत्वपूर्ण कार्य भी सिद्ध होगा जिसकी काफी समय से आप प्रतीक्षा कर रहे थे। बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबंध रहेंगे एवं उनसे पूर्ण सुख तथा सहयोग भी प्राप्त करेंगे। इस समय सांसारिक कार्यों में आपको पूर्ण सफलता प्राप्त होगी। तथा उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न एवं संतुष्ट रहेंगे। अतः आपकी प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

परन्तु शुभफलों के साथ साथ आप समय समय पर अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे एवं जाने या अनजाने में किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में न्यूनता आएगी तथा आपको इसके लिए पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त अग्नि आदि से भी आप न्यूनाधिक क्षति प्राप्त कर सकते हैं। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यकलापों को सम्पन्न करें।

मई 2024 के लिए फलादेश

इस माह में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अधिक मात्रा में प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इस समय आप अपने उत्साह से धनार्जन करेंगे तथा अपनी आर्थिक स्थिति को

सुदृढ़ करने में सक्षम रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आप का यश भी दूर दूर तक व्याप्त होगा। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आप यथोचित सम्मान अर्जित करेंगे एवं उनको अपना सहयोग प्रदान करते रहेंगे। उच्चाधिकारी वर्ग का आपको पूर्ण आश्रय प्राप्त होगा जिससे आप उनसे प्रचुर मात्रा में लाभ अर्जित करेंगे। साथ ही इस मास में मिष्टान्न के प्रति आपके मन में विशेष रुचि रहेगी तथा आप प्रसन्नता पूर्वक इसका उपभोग करेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य सामान्य रहेगा तथा मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न ही रहेंगे। इस मास में आप शत्रुओं पर विजय प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त व्यापार आदि कार्यों के द्वारा आप लाभ तथा धन अर्जित करने में सफल रहेंगे।

परन्तु शुभ फलों के मध्य यदाकदा इस मास में अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप शीत या वातजनित रोगों से शारीरिक रूप से कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे तथा आपकी बुद्धि किसी ऐसे कार्य को करने के लिए उद्यत होगी जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा गिरेगी। एवं बाद में इसके लिए आप पछताएंगे। इसके अतिरिक्त अग्नि के द्वारा भी आप किंचित धन हानि प्राप्त करेंगे अतः बुद्धिमतापूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करना चाहिए।

जून 2024 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं महत्वपूर्ण रहेगा। इस समय आप अपने पराक्रम से धनार्जन करेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग करने में सफल रहेंगे। साथ ही समाज में सभी लोग आपको हार्दिक सम्मान तथा आदर प्रदान करेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही दूसरे लोगों की भलाई के लिए भी कार्य करने में तत्पर रहेंगे। शारीरिक रूप से आप पूर्ण स्वस्थ रहेंगे तथा उच्चाधिकारी वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। इससे समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इस मास में बन्धु तथा मित्र वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग प्राप्त होगा तथा आप भी उन्हें इच्छित सहयोग प्रदान करेंगे। इसके अतिरिक्त अपने संकल्पों तथा मानसिक विचारों को मूर्त रूप देने में भी आप सफल सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से सन्तुष्ट तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री एवं पुत्र से भी पूर्ण सुख तथा सहयोग अर्जित करने में सफल रहेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी अर्जित करेंगे। जिससे यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ फल दायक रहेगा।

जुलाई 2024 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा शरीर में दुर्बलता रहेगी। इस मास में आपके शत्रु प्रबल रहेंगे अतः उनकी ओर से भी आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से आप अशान्त तथा उद्विग्न रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। साथ ही आपके व्यापार या नौकरी आदि के क्षेत्र में शिथिलता रहेगी तथा कई अनावश्यक

विध्न बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय आपका कोई कार्य परिवर्तन हो सकता है या छूट भी सकता है। समाज में अन्य जनों से भी आपका परस्पर विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे आपके सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त धन हानि की भी संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है।

साथ ही इस मास में आप गर्मी या पित से उत्पन्न होने वाले रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा किसी दुर्घटना आदि से रुधिर विकार भी हो सकता है अतः इस मास में आप सावधानी पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें तथा शारीरिक सुरक्षा की ओर विशेष ध्यान रखें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

अगस्त 2024 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यन्त शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता के भाव की वृद्धि होगी तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से सम्पन्न होंगे। इस मास में आप कई प्रकार से द्रव्य लाभ अर्जित करेंगे एवं पुत्र संतति से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय ज्ञानार्जन में भी आपकी रुचि रहेगी तथा ज्ञान प्राप्त करने में आप सफल रहेंगे। आपके प्रभुत्व में इस मास में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे तथा आपका हार्दिक सम्मान भी करेंगे। इस समय आपके कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे एवं कहीं से कोई शुभ समाचार भी प्राप्त होगा जिससे आपको प्रसन्नता होगी। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा नियमपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। इसके अतिरिक्त सरकार एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप वांछित लाभ अर्जित करेंगे तथा समाज में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री का पूर्ण सहयोग प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करने में सफल रहेंगे। इस प्रकार यह समय आपके लिए अत्यन्त ही महत्वपूर्ण तथा सुख प्रदान करने वाला होगा जिससे आप मानसिक रूप से पूर्ण शान्त तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

सितम्बर 2024 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि अल्प मात्रा में शुभ फल भी घटित होंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा अतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही आपके शत्रु भी इस महीने में प्रबल रहेंगे तथा आपके लिए समय समय पर समस्याएं उत्पन्न करेंगे। अतः इनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी अशान्त रहेंगे। इस समय आपके घर में किसी प्रकार से चोरी भी हो सकती है अतः सावधान रहना चाहिए। उच्चाधिकारी वर्ग से इस मास में आपको पूर्ण सहयोग करना चाहिए तथा विनम्रता पूर्वक उनकी आज्ञा का पालन करना चाहिए अन्यथा उपेक्षा होने पर वे आपको दंडित कर सकते हैं। साथ ही इस समय आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अल्प मात्रा में ही सफल

होंगे एवं धन का व्यय भी अधिक रहेगा जिससे आर्थिक स्थिति भी कमजोर होगी। इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को भी सम्पन्न करेंगे जिसके लिए बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। मित्रों एवं संबंधियों से आपके अच्छे संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर तनाव का वातावरण रहेगा। साथ ही समाज से भी आप उपेक्षित रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी मनोकामनाएं भी इस समय सफल नहीं होगी।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य आपको यदाकदा शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप स्त्री से सुख एवं सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे साथ ही आपके महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत परिश्रम एवं बुद्धि बल से सम्पन्न होंगे। इस प्रकार आप सामान्य धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में भी सफल रहेंगे।

अक्टूबर 2024 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल अल्प मात्रा में घटित होंगे। इस समय स्त्री तथा स्त्रीपक्ष से कष्ट प्राप्त करेंगे या पत्नी को किसी प्रकार के कष्ट होने की संभावना रहेगी। साथ ही शत्रुपक्ष से भी आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इस मास में आपके उत्साह में कमी आएगी तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक रूप से भी कमजोर रहेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे फलतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा बैचेन रहेंगे। शारीरिक अस्वस्थता के साथ साथ आपके मन में लोलुपता के भाव की भी वृद्धि होगी। अपने बन्धु एवं मित्र वर्ग से आपके अच्छे संबंध नहीं रहेंगे एवं परस्पर मनमुटाव रहेगा। ऐसे समय में मित्र भी शत्रुओं के समान व्यवहार करेंगे। इसके अलावा समाज में अन्य लोगों के साथ वाद विवाद तथा संघर्ष होता रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता का भाव रहेगा।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभफल भी घटित होंगे। अतः आप महिला वर्ग से पूर्ण सहयोग तथा लाभ अर्जित करने में सफल रहेंगे। साथ ही इस समय परिश्रम पूर्वक धनार्जन एवं लाभ प्राप्त करने में भी आप सफलता प्राप्त कर सकेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में भी आप की रुचि उत्पन्न होगी तथा समाज में न्यूनाधिक प्रतिष्ठा अर्जित करने में सफल रहेंगे।

नवम्बर 2024 के लिए फलादेश

इस मास में आप शुभाशुभ दोनों प्रकार के फलों को प्राप्त करेंगे। इस समय आपका शत्रुपक्ष प्रबल रहेगा फलतः उनसे आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। साथ ही आपके घर में किसी प्रकार की चोरी होने की भी संभावना रहेगी। इस मास में आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा अतः आर्थिक स्थिति अच्छी नहीं रहेगी। धर्म के प्रति आपकी श्रद्धा में भी न्यूनता आएगी। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप शारीरिक कष्ट की अनुभूति करेंगे। साथ ही आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों में भी कई प्रकार से व्यवधान आएंगे तथा उनमें

सफलता की अपेक्षा असफलता ही हाथ लगेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त रहेंगे। इसके अतिरिक्त आपकी दूर समीप की भी कोई यात्रा हो सकती है। आपके सांसारिक कार्य भी इस समय अल्प मात्रा में ही सफल होंगे तथा मुकद्दमे आदि में भी धन अधिक मात्रा में व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः इस मास को सावधानी तथा संयम पूर्वक व्यतीत करें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ शुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से सहयोग तथा लाभ अर्जित कर सकेंगे। साथ ही अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को परिश्रमपूर्वक सफल बनाने में समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त किसी नवीन द्रव्य या वस्त्र की भी प्राप्ति करने में भी आप सफल रहेंगे। इस प्रकार मध्यम रूप से आप अपने समय को इस मास में व्यतीत करेंगे।

दिसम्बर 2024 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ तथा सौभाग्य शाली रहेगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे तथा आपके उच्चाधिकारी वर्ग! आपसे पूर्ण प्रसन्नता सन्तुष्ट रहेंगे। साथ ही आपके घर में कोई धार्मिक उत्सव भी सम्पन्न होगा। संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख तथा सहयोग मिलेगा तथा इनकी ओर से आप निश्चिन्त रहेंगे। देवता एवं ब्राह्मणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। समाज में इस समय आपके यश में वृद्धि होगी तथा भाग्योदय संबंधी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि में भी निर्मलता का भाव रहेगा तथा आपके सभी शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में आप दूर समीप की लाभदायक यात्रा भी कर सकते हैं। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप पूर्ण सम्मान तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त मित्र एवं बन्धु वर्ग से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे तथा इनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। इस प्रकार सर्वत्र आपके यश तथा प्रतिष्ठा में वृद्धि होती रहेगी।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपनी बुद्धिमता से प्रचुरमात्रा में धन एवं सुख प्राप्त करने में सफल रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्म के प्रति आप श्रद्धालु होंगे एवं धर्मानुपालन में तत्पर रहेंगे जिससे समाज में आपके सम्मान में अभिवृद्धि होगी।

वार्षिक फलादेश - 2025

वर्ष के प्रारम्भ में कुम्भस्थ शनि द्वादश भाव में रहेंगे व मीनस्थ राहु लग्न स्थान में रहेंगे और 29 मार्च को शनि मीन राशि लग्न स्थान में और 30 मई को राहु कुम्भ राशि द्वादश भाव में प्रवेश करेंगे। वर्ष के शुरुआत में वृष राशि के गुरु तृतीय भाव में रहेंगे और 14 मई को मिथुन राशि चतुर्थ भाव में प्रवेश करेगी और अतिचारी हो कर 18 अक्टूबर को कर्क राशि पंचम सप्तम भाव में गोचर करेगी और वक्री होकर फिर से 5 दिसम्बर को मिथुन राशि चतुर्थ भाव में आ जाएगी।

व्यवसाय

कार्य व्यवसाय की दृष्टि से वर्ष का प्रारम्भ शुभ फलदायी नहीं रहेगा। व्यापार में सफलता प्राप्त के लिए लगातार अथक प्रयास करना पड़ेगा। उसके बाद भी बहुत ज्यादा सफलता प्राप्त नहीं होगी। अतः इस समय के अंतराल में कोई नया कार्य प्रारम्भ नहीं करना चाहिए।

14 मई के बाद दशम स्थान पर गुरु एवं शनि ग्रह के संयुक्त दृष्टि प्रभाव से समय अनुकूल हो रहा है। अनुभवी लोगों का सहयोग प्राप्त होगा। जिससे आप अपने कार्य व्यवसाय में कुछ विशेष करेंगे। भूमि से संबंधित काम करने वाले व्यक्तियों के लिए समय अच्छा है। उनको इच्छित लाभ प्राप्त हो सकता है।

धन संपत्ति

आर्थिक दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारंभ में एकादश स्थान पर गुरु के दृष्टि प्रभाव से धनागम में निरन्तरता बनी रहेगी परन्तु शनि एवं राहु ग्रह का गोचर अनुकूल नहीं होने के कारण आपकी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ नहीं होने देंगे।

14 मई के बाद गुरु ग्रह का गोचर चतुर्थ स्थान में होगा। उस समय आपको भूमि, भवन, वाहन इत्यादि का सुख प्राप्त हो सकता है। अष्टम स्थान पर गुरु की दृष्टि के कारण पैतृक संपत्ति, गढ़ा हुआ धन या ससुराल पक्ष से धन प्राप्त हो सकता है।

घर-परिवार, समाज

सामाजिक दृष्टिकोण से वर्ष का प्रारम्भ अनुकूल रहेगा। तृतीयस्थ गुरु के प्रभाव से आपके पराक्रम तथा कार्य क्षमताओं का विकास होगा। सामाजिक गतिविधियों में आप बढ़ चढ़ के भाग लेंगे। सामाजिक कल्याण के लिए आप कोई विशेष कार्य संपन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में

वृद्धि होगी। आपको भाईयों का सहयोग प्राप्त होगा।

14 मई से चतुर्थ स्थान पर गुरुग्रह के गोचरीय प्रभाव से आपका घरेलू वातावरण अनुकूल होगा। परिवार में एक दूसरे के प्रति भावनात्मक लगाव बढ़ेगा, जिससे आपके परिवार में शान्ति का वातावरण बना रहेगा। माता पिता व पूरे परिवार का सहयोग प्राप्त होगा। ससुराल पक्ष से संबंध मधुर होंगे।

संतान

संतान की दृष्टि से यह वर्ष सामान्य रहेगा। वर्षारम्भ में आपके बच्चे अपने परिश्रम के बल पर आगे बढ़ेंगे। वे अपने बौद्धिक बल पर अपने लक्ष्य को प्राप्त करेंगे।

आपके दूसरे बच्चे के लिए वर्ष का प्रारम्भ बहुत अच्छा है। उच्च शिक्षा प्राप्ति के लिए भी समय शुभ है। यदि वे विवाह योग्य हैं तो विवाह भी हो सकता है।

स्वास्थ्य

स्वास्थ्य के दृष्टिकोण से यह वर्ष अच्छा नहीं है। लग्न स्थान का राहु आपके स्वास्थ्य में उतार-चढ़ाव की स्थिति बनाए रखेंगे। 29 मार्च के बाद आपका स्वास्थ्य अचानक प्रभावित हो सकता है। लग्न स्थान पर एक साथ राहु एवं शनि ग्रह के गोचरीय प्रभाव से आप समय पर खान-पान नहीं कर पाएंगे, जिसके परिणामस्वरूप स्वास्थ्य में गिरावट आ सकती है।

मई के बाद समय काफी अनुकूल हो रहा है, उस समय स्वास्थ्य संबंधित परेशानियों का निवारण होना शुरू होगा।

करियर एवं प्रतियोगी परीक्षा

प्रतियोगिता परीक्षा के लिए यह वर्ष सामान्य रहेगा। प्रतियोगिता परीक्षा में सफलता प्राप्ति के लिए आपको अथक प्रयास करना पड़ेगा। आलस्य की भावना सफलता में बाधक साबित हो सकती है।

विद्यार्थियों की अध्ययन के प्रति रुचि बढ़ेगी। बेरोजगार जातकों को रोजगार के लिए अभी कुछ और इंतजार करना पड़ेगा।

यात्रा-तबादला

यात्रा की दृष्टि से यह वर्ष अच्छा रहेगा। वर्षारम्भ में तृतीय स्थान पर गुरु ग्रह के गोचरीय प्रभाव से छोटी-मोटी यात्राओं के साथ साथ लम्बी यात्राएं भी होंगी।

14 मई के बाद घर से दूर रहने वाले व्यक्तियों की अपनी जन्मभूमि

की यात्रा हो सकती है। द्वादश स्थान पर गुरुग्रह की दृष्टि आपको विदेश यात्रा भी करा सकती है।

धर्म कार्य एवं ग्रह शांति

धार्मिक कार्य के लिए यह वर्ष अनुकूल है। वर्षारम्भ में नवम स्थान पर गुरुकी दृष्टि प्रभाव से आप पूजा पाठ में विशेष रुचि लेंगे। नियमित रूप से दैनिक पूजा करते रहेंगे।

- प्रत्येक दिन सूर्य को जल दें।
- शनिवार के दिन काली वस्तु का दान करें अथवा काला कम्बल गरीबों को दान करें।
- राहु मन्त्र का पाठ करें एवं दुर्गा यन्त्र अपने गले में धारण करें।



मासिक फलादेश

जनवरी 2025 के लिए फलादेश

इस महीने में आप अशुभ फलों की अपेक्षा शुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति होगी तथा सामाजिक एवं पारिवारिक जनों से यथोचित मान सम्मान प्राप्त होगा। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से भी आप पूर्ण सहयोग तथा सम्मान अर्जित करेंगे जिससे आपके महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे एवं वांछित लाभ भी प्राप्त होगा। मित्रों एवं बन्धु जनों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आप वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। आपके शुभ कार्य भी इस मास में सिद्ध होंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा का भाव रहेगा तथा विधिपूर्वक आप इनकी सेवा तथा पूजा करने के लिए तत्पर रहेंगे। संतति पक्ष से आप सुखी रहेंगे एवं बन्धु तथा मित्रों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। इसके अतिरिक्त आप की मनोकामनाएं भी इस समय पूर्ण होंगी फलतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आप अल्प मात्रा में अशुभ फल भी प्राप्त करेंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही रक्त विकार की भी संभावना रहेगी। अतः शारीरिक सुरक्षा की दृष्टि से मास में पूर्ण सतर्क रहें तथा अन्य कार्यों को भी बुद्धिमता पूर्वक सम्पन्न करें।

फरवरी 2025 के लिए फलादेश

इस मास को आप अत्यंत ही सुख एवं प्रसन्नता पूर्वक व्यतीत करने में सफल रहेंगे। इस समय महिला वर्ग से आपको वांछित लाभ एवं सहयोग प्राप्त होगा साथ ही सौभाग्य से भी आप युक्त रहेंगे तथा आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सौभाग्य से ही सम्पन्न होंगे। सरकार या उच्चाधिकारी वर्ग से आप सहयोग तथा लाभ प्राप्त करने में समर्थ रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य भी अच्छा रहेगा तथा ज्ञानार्जन के प्रति आप अपनी रुचि का प्रदर्शन करेंगे तथा इसमें सफलता भी प्राप्त करेंगे। मित्रों तथा संबधियों से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको इच्छित सुख तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा साथ ही मनोवांछित द्रव्यों की भी इस मास में उपलब्धि हो सकती है। संतति पक्ष से भी आपको यथोचित लाभ तथा सहयोग प्राप्त होता रहेगा। सामाजिक जनों के मध्य आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा आपकी असफल आशाएं भी इस मास में पूर्ण होंगी। अतः मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री तथा पुत्र से वांछित सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इसके अतिरिक्त इस समय आप नवीन वस्त्र या वस्तुओं की भी प्राप्ति करने में सफल सिद्ध हो सकते हैं।

मार्च 2025 के लिए फलादेश



यह मास आपके लिए अच्छा नहीं रहेगा तथा विविध प्रकार से आप अशुभ फलों की ही प्राप्ति करेंगे। इस समय आपका धन व्यय अधिक मात्रा में होगा तथा दुष्टजनों की संगति आपको प्राप्त होगी जिससे आर्थिक दृष्टि से आप कमजोर होंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा कई प्रकार से आप कष्ट की अनुभूति करेंगे साथ ही मानसिक रूप से भी आप अप्रसन्न तथा असन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अत्यंत ही परिश्रम के उपरांत भी अल्प मात्रा में ही सिद्ध हो सकेंगे। साथ ही धर्म के प्रति भी आपके मन में विशेष श्रद्धा नहीं रहेगी एवं देवता तथा ब्राह्मणों की आप उपेक्षा करेंगे। इस मास में आप के अन्य प्रकार से भी हानि के योग बनते रहेंगे। इस समय आपके मित्रों तथा बन्धुओं से विशेष संबंध नहीं रहेंगे तथा उनसे आपको सहयोग भी अल्प ही मिलेगा साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में भी अनावश्यक बाधाएं उत्पन्न होंगी। इस समय शत्रुपक्ष आपका बलवान रहेगा तथा उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। इसके अतिरिक्त जिस कार्य को भी आप प्रारम्भ करेंगे उसमें सफलता की अपेक्षा असफलता ही प्राप्त होगी।

इसके साथ ही इस मास में आप शीत या वात से उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त करेंगे। साथ ही आप किसी ऐसे कार्य को सम्पन्न करेंगे जिससे आपकी सामाजिक अवमानना होगी एवं बाद में आपको पश्चाताप करना पड़ेगा। इसके अतिरिक्त आग के द्वारा भी आपको क्षति हो सकती है। अतः सावधानी तथा धैर्यपूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

अप्रैल 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्य रूप से ही शुभ फलदायक रहेगा तथा अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आपका शारीरिक स्वास्थ्य उत्तम रहेगा तथा हृदय से भी प्रसन्नता की अनुभूति करेंगे। इस मास में आपके पराक्रम में पूर्ण वृद्धि होगी तथा शत्रु पक्ष को पराजित करने में आप सफल रहेंगे तथा आपके शत्रु आपसे चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। आप की आय स्रोतों में भी उन्नति होगी फलतः प्रचुर मात्रा में धनार्जन करके अपनी आर्थिक स्थिति को सुदृढ़ बनाने में सफल रहेंगे। व्यापार या नौकरी के अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी आप लाभार्जन करेंगे। इस समय आपके समस्त शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य सम्पन्न होंगे तथा भाग्य की भी वृद्धि होगी। साथ ही आपके विलम्बित कार्य भी इस मास में पूर्ण हो सकेंगे। मित्रों तथा बन्धुवर्ग से आपके संबंध मधुर रहेंगे तथा सांसारिक कार्य भी समय पर सम्पन्न होते रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी आपसे प्रसन्न एवं सन्तुष्ट रहेंगे तथा उनसे आपको यथा योग्य सम्मान प्राप्त होता रहेगा।

परन्तु इस मास में शुभफलों के साथ साथ यदाकदा अशुभ फल भी घटित होंगे। अतः आप वातजन्य रोगों से पीड़ित रहेंगे तथा प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रूप से आप कोई ऐसा कार्य करेंगे जिससे आपको पश्चाताप करना पड़ेगा तथा समाज में आपकी अवमानना होगी। इसके अतिरिक्त इस मास में अग्नि के द्वारा भी किसी प्रकार क्षति होने की संभावना है। अतः सावधानी पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें।

मई 2025 के लिए फलादेश



इस मास में आप अपने उत्साह के द्वारा धनार्जन करने में सफल रहेंगे साथ ही समाज में आपको पूर्ण यश तथा सम्मान भी प्राप्त होगा। इस समय आपके परिवार तथा मित्र जनों से मधुर संबध रहेंगे एवं उनसे आप यथोचित आदर प्राप्त करेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा आश्रय प्राप्त होगा। अतः आपके शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य यथा समय सिद्ध होंगे जिससे मानसिक रूप से आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे। इस मास में आपका शारीरिक स्वास्थ्य अच्छा रहेगा तथा मिष्टान्न के प्रति आपकी तीव्र रुचि रहेगी। शारीरिक बल की भी आप में पूर्णता रहेगी एवं शत्रुओं को पराजित करने में आप समर्थ रहेंगे। स्त्री से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा अतः आपका गृहस्थ जीवन सुखी रहेगा। इसके अलावा व्यापारादि कार्यों से भी आप अतिरिक्त धन अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

साथ ही इस मास में आप पुत्र तथा स्त्री से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे। इस समय आप नवीन वस्त्र या द्रव्य आदि भी प्राप्त करने में सफल हो सकते हैं। इस प्रकार यह महीना आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं प्रसन्नता प्रदान करने वाला रहेगा।

जून 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया शुभ ही रहेगा तथापि अशुभ फल भी अल्प मात्रा में होते रहेंगे। इस समय आप अपने पराक्रम से धन अर्जित करने में सफल रहेंगे तथा विविध प्रकार से सुखों का उपभोग भी करेंगे। समाज में आपके यश एवं प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपका हार्दिक सम्मान करेंगे। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में पूर्ण श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करेंगे। साथ ही समाज में आप लोगों की भलाई के कार्यों को करने में भी तत्पर रहेंगे। आपका शारीरिक स्वास्थ्य भी ठीक ही रहेगा। इस मास में उच्चाधिकारी वर्ग से आपको पूर्ण सहयोग तथा सम्मान प्राप्त होगा तथा अन्य लोग भी आपकी प्रभुता को स्वीकार करेंगे। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपके मधुर संबध रहेंगे तथा उनसे आपको वांछित सुख तथा सहयोग प्राप्त होगा। इसके अलावा इस समय आपकी चिर प्रतीक्षित मनोकामनाएं भी पूर्ण होगी जिससे मानसिक रूप से भी आप प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में आपको यदाकदा अशुभ फल भी प्राप्त होंगे। अतः आप गर्मी या पित द्वारा उत्पन्न रोगों से कष्ट प्राप्त कर सकते हैं। साथ ही रूधिर विकार का भी भय रहेगा। अतः इस मास में शारीरिक सुरक्षा के प्रति पूर्ण सतर्क रहें तथा संयम पूर्वक अपने कार्य कलापों को संपन्न करें।

जुलाई 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए सामान्यतया अच्छा नहीं रहेगा तथा शुभ फलों की अपेक्षा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में प्राप्त करेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा फलतः शरीर में दुर्बलता विद्यमान रहेगी। साथ ही दुश्मन भी बलवान रहेंगे अतः उनकी ओर से आप भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे जिससे मानसिक रूप से भी आप अशान्ति की अनुभूति करेंगे। इस

मास में आपके कार्य क्षेत्र में न्यूनता रहेगी तथा कार्य क्षेत्र में परिवर्तन या कोई कार्य छूट सकता है या बंद भी हो सकता है। साथ ही समाज में अन्य जनों से आपके विशेष मधुर संबध नहीं रहेंगे तथा परस्पर वैमनस्य का भाव रहेगा जिससे सामाजिक सम्मान में भी न्यूनता आएगी। इसके अतिरिक्त अन्य प्रकार से भी धन हानि होने की संभावना रहेगी एवं शरीर में कोई रोग भी उत्पन्न हो सकता है। अतः सावधानी तथा बुद्धिमता पूर्वक अपने कार्यों को सम्पन्न करें जिससे अनावश्यक समस्याएं उत्पन्न न हो सकें।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के मध्य शुभ फल भी प्राप्त होंगे। इससे आप स्त्री तथा पुत्र से पूर्ण सहयोग तथा सुख प्राप्त करेंगे एवं उच्चाधिकारी वर्ग से भी न्यूनाधिक सहयोग मिलता रहेगा। इसके साथ ही इस समय आप अपनी बुद्धिमता से धनार्जन एवं सुख प्राप्त करने में सफलता अर्जित कर सकेंगे।

अगस्त 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं अनुकूल रहेगा। इस समय आपकी बुद्धि में निर्मलता की वृद्धि होगी तथा आपके अधिकांश शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य बुद्धिमता से ही सम्पन्न होंगे। इस मास में संतति पक्ष से आप पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे। साथ ही नवीन ज्ञानार्जन करने में भी आपको सफलता प्राप्त होगी। इस समय समाज में आपके प्रभुत्व में वृद्धि होगी तथा सभी लोग आपकी प्रभुता तथा श्रेष्ठता को स्वीकार करेंगे एवं आपको यथोचित आदर प्रदान करेंगे। आपके महत्वपूर्ण कार्य भी इस मास में सम्पन्न होंगे तथा कहीं से कोई शुभ समाचार भी सुनने को मिलेगा। देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा के कार्य में तत्पर रहेंगे। इसके अतिरिक्त राज्य के उच्चाधिकारी वर्ग से भी लाभ तथा सहयोग अर्जित करने में आप सफल होंगे। साथ ही आपकी सामाजिक प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी तथा मानसिक चिन्ताओं से मुक्ति मिलेगी जिससे मानसिक रूप से भी आप शान्त तथा प्रसन्न रहेंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख प्राप्त करेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धनार्जन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में समर्थ सिद्ध होंगे। इसके अतिरिक्त इस समय धर्मानुपालन में तत्पर रह कर समाज के सभी लोगों में आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति रहेंगे तथा वे आपका हार्दिक सम्मान करेंगे।

सितम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह महीना आप के लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा तथापि न्यूनाधिक शुभ फल भी प्राप्त होते रहेंगे। इस समय आपका स्वास्थ्य अच्छा नहीं रहेगा एवं शारीरिक रूप से आप दुर्बलता की अनुभूति करेंगे। शत्रुपक्ष भी आपका इस मास में बलवान रहेगा अतः उनसे आप चिन्तित तथा भयभीत रहेंगे। साथ ही घर में भी किसी प्रकार की चोरी आदि भी हो सकती है अतः सावधान रहें। इसके साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग की आज्ञा का तत्परता से पालन करें तथा उनकी किसी भी प्रकार से उपेक्षा न करें अन्यथा आप उनसे दण्ड प्राप्त कर सकते हैं। इस समय आपके

शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य अथक परिश्रम के बाद अल्प मात्रा में ही सिद्ध होंगे तथा धन का व्यय भी अधिक मात्रा में होगा जिससे आर्थिक स्थिति कमजोर रहेगी। इसके साथ ही इस मास में आप किसी ऐसे कार्य को करेंगे जिससे आपको पछताना पड़ेगा तथा सम्मान में भी न्यूनता आएगी। मित्र एवं बन्धुवर्ग से आपका मन मुटाव रहेगा। आपकी इच्छाएं इस समय में पूर्ण नहीं होंगी अतः मानसिक रूप से भी आप कष्ट प्राप्त करेंगे।

परन्तु इस मास में अशुभ फलों के साथ साथ आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे। इससे आप पत्नी से पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त करेंगे तथा बुद्धि में निर्मलता होने के कारण बुद्धिचातुर्य से अपने कार्यों को सिद्ध करने में सफल रहेंगे। साथ ही धनार्जन करने में भी आप सफल रहेंगे तथा समाज में प्रतिष्ठा भी प्राप्त कर सकेंगे।

अक्टूबर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए विशेष अच्छा नहीं रहेगा तथा अशुभ फल ही अधिक मात्रा में घटित होंगे। इस समय आप स्त्री तथा बन्धुवर्ग से कष्ट प्राप्त करेंगे या इनको कोई कष्ट हो सकता है। साथ ही आपका शत्रुपक्ष भी बलवान रहेगा तथा आपके लिए वे समस्याएं उत्पन्न करते रहेंगे। इस मास में आपके अन्दर उत्साह के भाव की न्यूनता स्पष्ट परिलक्षित होगी तथा धन भी अधिक मात्रा में व्यय होगा। अतः आर्थिक क्षेत्र में आप कष्ट प्राप्त करेंगे। आप का शारीरिक तथा मानसिक स्वास्थ्य भी इस समय अच्छा नहीं रहेगा एवं स्वभाव में लोलुपता के भाव की वृद्धि होगी। बन्धु एवं मित्रों से आपके अच्छे संबंध नहीं रहेंगे तथा परस्पर मनमुटाव तथा वैमनस्य रहेगा। इसके अतिरिक्त समाज तथा परिवार के लोगों से आपके परस्पर विवाद होते रहेंगे। अतः ऐसे समय को संयम पूर्वक व्यतीत करना ही बुद्धिमानी रहेगी।

साथ ही इस मास में आपको अल्प मात्रा में शुभ फलों की भी प्राप्ति होगी। इससे आप श्रेष्ठजनों तथा उच्चाधिकारियों से सहयोग एवं लाभ अर्जित करने में सफलता प्राप्त करेंगे। साथ ही आपके कार्य क्षेत्र में उन्नति भी हो सकती है। इस समय आप नवीन वस्त्र तथा द्रव्य आदि भी प्राप्त कर सकते हैं जिससे आप किंचित सुख की अनुभूति प्राप्त करेंगे।

नवम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह महीना आपके लिए सामान्यतया अशुभ ही रहेगा फिर भी अल्प मात्रा में शुभ फल अवश्य प्राप्त होंगे। इस समय आपके दुश्मन बलवान रहेंगे तथा आपके लिए समस्याएं उत्पन्न करेंगे फलतः आप उनसे भयभीत तथा चिन्तित रहेंगे। इस मास में आपके घर में चोरी भी हो सकती है तथा शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्य भी अत्यंत ही परिश्रम से सफल होंगे। साथ ही धन व्यय भी अधिक मात्रा में होगा फलतः आर्थिक दृष्टि से भी कमजोर रहेंगे। शारीरिक रूप से भी आप दुर्बल रहेंगे तथा धर्म के प्रति आपके मन में विशेष श्रद्धा का भाव अल्प ही रहेगा तथा देवता एवं ब्राहमणों का आप अल्प मात्रा में ही पूजन तथा सेवा करेंगे। शारीरिक रूप से भी आप अस्वस्थ रहेंगे तथा शरीर में दुर्बलता का भाव रहेगा एवं कई प्रकार से आप शारीरिक कष्टानुभूति प्राप्त करेंगे। इस मास में आपकी दूर समीप की यात्रा भी हो सकती है। आपके पारिवारिक कार्य

भी इस समय असफल रहेंगे एवं मुकद्दमे आदि में धन व्यय होने की संभावना रहेगी। अतः मानसिक रूप से भी आप अशान्त तथा असन्तुष्ट रहेंगे।

परन्तु इस मास में यदाकदा आप शुभ फल भी प्राप्त करेंगे इससे आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करेंगे एवं अपने बुद्धिचातुर्य से कई शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को सम्पन्न करेंगे। इसके अतिरिक्त सामान्य धन तथा सुखार्जन करके आप प्रसन्नता की अनुभूति कर सकेंगे।

दिसम्बर 2025 के लिए फलादेश

यह मास आपके लिए अत्यंत ही शुभ एवं सौभाग्यशाली सिद्ध होगा। इस समय आप प्रचुर मात्रा में लाभार्जित करने में सफल रहेंगे तथा आर्थिक रूप से पूर्ण सम्पन्न रहेंगे। साथ ही उच्चाधिकारी वर्ग भी आपसे प्रसन्न तथा सन्तुष्ट रहेंगे जिससे आप अपने शुभ एवं महत्वपूर्ण कार्यों को यथासमय सिद्ध करने में सफल रहेंगे। इस मास में आप अपने घर में किसी धार्मिक उत्सव का आयोजन भी कर सकते हैं। इस समय संतति पक्ष से आपको पूर्ण सुख एवं सहयोग प्राप्त होगा तथा देवता एवं ब्राहमणों के प्रति आपके मन में श्रद्धा की भावना रहेगी तथा विधिपूर्वक आप इनकी पूजा तथा सेवा करते रहेंगे। साथ ही सामाजिक जनों के मध्य आपके यश तथा प्रतिष्ठा में भी वृद्धि होगी। इस समय आपके भाग्योदय संबन्धी कार्य भी सम्पन्न होंगे। साथ ही आपकी बुद्धि निर्मल रहेगी तथा लाभदायक यात्रा का भी योग बनेगा। अपने बन्धु एवं मित्रों से आपके मधुर संबन्ध रहेंगे एवं एक दूसरे से वांछित सहयोग प्राप्त करेंगे। इस प्रकार समाज में सर्वत्र सम्माननीय तथा आदरणीय समझे जाएंगे।

साथ ही इस मास में आप स्त्री से पूर्ण सुख तथा सहयोग प्राप्त करने में सफल रहेंगे तथा अपने बुद्धिचातुर्य से धन एवं सुख साधनों को प्राप्त करने में भी समर्थ रहेंगे। इसके अतिरिक्त धर्मानुपालन में श्रद्धा का प्रदर्शन करते हुए आप एक प्रतिष्ठित व्यक्ति के रूप में सम्मान अर्जित कर सकेंगे।

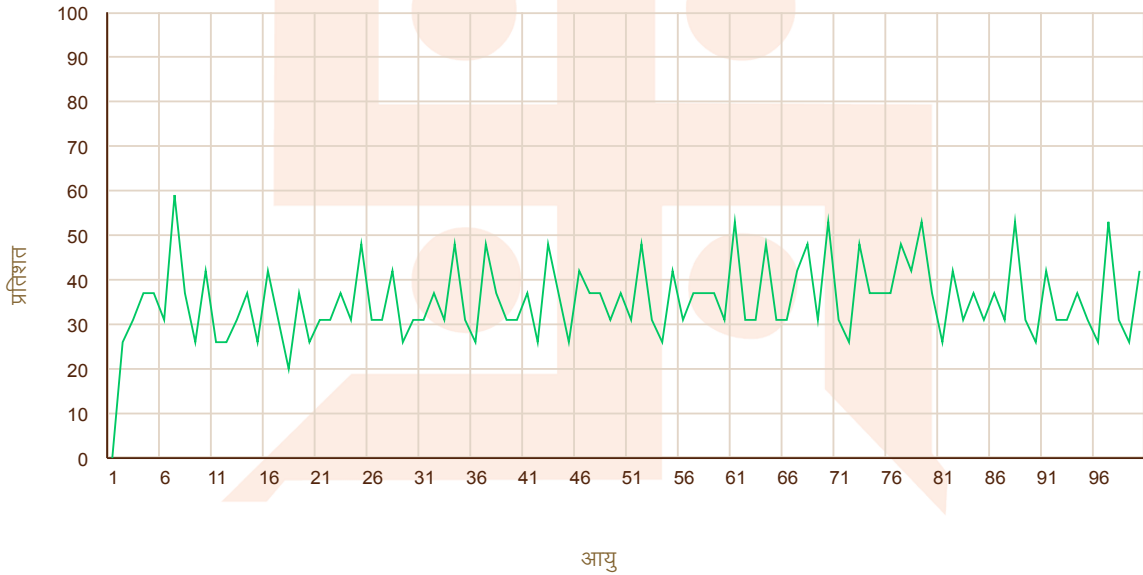
अंक ज्योतिष फल

नाम	Pradeep
जन्म तिथि	05/03/1987
मूलांक	5
भाग्यांक	6
नामांक	6
मूलांक स्वामी	बुध
भाग्यांक स्वामी	शुक्र
नामांक स्वामी	शुक्र
मित्र अंक	3, 9, 6
शत्रु अंक	2, 4
सम अंक	1, 7, 8
मुख्य वर्ष	2003,2012,2021,2030,2039,2048,2057,2066
शुभ आयु	16,25,34,43,52,61,70,79
शुभ वार	गुरु, बुध, शुक्र
शुभ मास	मार्च, मई, सित
शुभ तारीख	5, 14, 23
शुभ रत्न	पन्ना
शुभ उपरत्न	संगपन्ना,बिलौर,मरगज
अनुकूल देव	लक्ष्मीनारायण
शुभ धातु	स्वर्ण
शुभ रंग	हरित
मंत्र	ॐ ग्रां ग्रीं ग्रौं सः वृहस्पतये नमः
शुभ यंत्र	गुरु यंत्र

10	5	12
11	9	7
6	13	8

अंक जीवन ग्राफ

आपका मूलांक एवं भाग्यांक वर्ष के अंकों से एवं आयु के अंको से जो संबंध बनाते हैं वे एक ग्राफ के रूप में नीचे दिए गए हैं। इस ग्राफ द्वारा आप यह साफ साफ जान सकते हैं कि कौन सा आयु का वर्ष आपके लिए लाभकारी हो सकता है या कौन सा वर्ष अनिष्टकारी हो सकता है। इस ग्राफ को बनाने के लिए मूलांक एवं भाग्यांक के आयु वर्ष एवं उनके अलग अलग अंकों से संबंध को लिया गया है। यदि ग्राफ में 60 से ऊपर नंबर आ रहे हैं तो वह वर्ष आपके लिए महत्वपूर्ण हो सकता है एवं जिसे 40 से कम नंबर प्राप्त हुए हैं वह वर्ष आपको कुछ कष्टदायक हो सकता है।



मुख्य वर्ष 2003,2012,2021,2030,2039,2048,2057,2066

शुभ आयु 16,25,34,43,52,61,70,79

अंक ज्योतिष फल

आपका जन्म दिनांक पाँच होने से अंक ज्योतिष के आधार पर आपका मूलांक पाँच होता है। इसका स्वामी बुध ग्रह है। मूलांक पाँच के प्रभाववश आप रोजगार के क्षेत्र में नौकरी की अपेक्षा व्यापार के मार्ग की ओर अधिक आकृष्ट रहेंगे। यदि आप नौकरी का मार्ग चुनते हैं तो ऐसा रोजगार आपको अधिक पसन्द आयेगा। जहाँ लेन-देन, लेखा, यांत्रिकी, वाणिज्य, इत्यादि का कार्य होता हो। कम्पनी, फैक्ट्री, उच्च व्यापार जगत आपको रास आयेगा।

बुधग्रह के प्रभाववश आपके अन्दर वाक्पटुता, तर्कशक्ति अच्छी रहेगी एवं सामने वाले व्यक्ति को आप अपनी बातों से प्रभावित करने में समर्थ रहेंगे। आप हर कार्य को जल्दी समाप्त करना पसन्द करेंगे एवं ऐसे रोजगार की ओर उन्मुख होंगे जिसमें शीघ्र सफलता कम मेहनत तथा अधिक लाभ पर प्राप्त होती रहे। आप थोड़े जल्दबाज एवं फुर्तीले भी रहेंगे। जल्दबाजी के चक्कर में आप कभी-कभी हानियों का भी सामना करेंगे।

आपकी मानसिक स्थिति चंचल होने से आपको शीघ्र क्रोध आ जाया करेगा एवं कभी-कभी चिड़चिड़ाहट भी रहा करेगी। आप अधिकांशतः बुद्धि जनित कार्यों में रुचि लेंगे। इस कारण आपकी दिमागी ताकत अधिक खर्च होने से अधिक आयु में आपको स्नायुवेग द्वारा उत्पन्न रोगों का भी सामना करना पड़ेगा।

मूलांक पाँच का स्वामी बुध ग्रह होने से कमोवेश बुध के गुण-अवगुण आपके अन्दर आयेंगे। विद्याध्यन लेखन-पठन की ओर आपकी विशेष रुचि रहेगी।

भाग्यांक 6 के स्वामी शुक्र ग्रह के प्रभाव से आपका भाग्योदय चौंसठ कलाओं के अन्दर ही होगा। शुक्र कला का दाता है। अतः आपके अन्दर ललित कलाओं में से कुछ कलाओं का समावेश होगा। आप कला के क्षेत्र में, कला के द्वारा जीवन यापन करेंगे। कलात्मक वस्तुएं आपको लाभ प्रदान करेंगी। आप विपरीत योनि के प्रति सहज आकर्षण के अवगुण वश तन-मन एवं धन का व्यय करेंगे। सौन्दर्य की ओर आकर्षण आपकी कमजोरी रहेगा।

आपके कार्य करने के स्थान तथा रहने के स्थान की साज-सजावट बनाये रखने में आपको हमेशा धन व्यय करते रहना होगा। क्योंकि सुसज्जित परिवेश में रहना आपके मनोनुकूल है। आप वस्त्र आभूषण के शौकीन रहेंगे। धन स्थिति आपकी ठीक रहेगी। शान-शौकत बनी रहेगी। सामने वाले व्यक्ति आपको हमेशा धनी समझते रहेंगे, भले ही आप यदा-कदा कड़की के दिनों में चल रहे हों। किसी भी कला के क्षेत्र को आप अपना रोजगार का क्षेत्र चुनते हैं, तो आपकी उन्नति निश्चित ही होगी।

आपका मूलांक 5 है तथा आपका भाग्यांक 6 है। मूलांक 5 का स्वामी बुध है तथा भाग्यांक 6 का स्वामी शुक्र है। मूलांक 5 और भाग्यांक 6 के बीच सम संबंध है। इसके प्रभाववश आपको मूलांक-भाग्यांक का मिलाजुला फल प्राप्त होगा। आप चौंसठ कलाओं में से किसी एकाधिक कला के द्वारा अपना रोजगार-व्यापार चलाएंगे। आपको विभिन्न कलाओं में सफलाएं प्राप्त होंगी तथा आप इनके माध्यम से प्रचुर मात्रा में धनार्जन करेंगे। स्वभाव से आप

कोमल हृदय के व्यक्ति रहेंगे तथा समाज में शीघ्र घुलने-मिलने की कला में निपुण रहेंगे। धन संग्रह की अपेक्षा आप भौतिक सुख-साधन जोड़ने पर अधिक ध्यान देंगे, हालांकि आपके पास संपत्ति अच्छी एकत्रित होगी एवं अपने कार्य के द्वारा काफी महत्वपूर्ण उपलब्धियों को आप प्राप्त करेंगे। जीवन के मध्य अवस्था से आपकी आर्थिक स्थिति काफी मजबूत होती चली जाएगी, जो अंतिम अवस्था तक स्थायी रहेगी। समाज में आपको पर्याप्त मात्रा में मान-सम्मान प्राप्त होगा एवं लोग आपको समयोचित आदर प्रदान करेंगे।

आपका भाग्योदय 24 वर्ष की अवस्था से प्रारंभ हो कर 33 वर्ष की अवस्था पर आपको विशेष उन्नति प्राप्त होगी तथा 42 वर्ष की आयु पर आपका पूर्ण भाग्योदय होगा।

मूलांक 5 की मित्रता 3 और 9 से है तथा भाग्यांक 6 की मित्रता 3 एवं 9 से है। अतः आपके जीवन में 3, 5, 6, 9 के अंक विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे। इनमें आपके जीवन की कुछ विशेष घटनाएं घटित होंगी।

आपके मूलांक का आपके भाग्यांक से सम संबंध होने से मूलांक-भाग्यांक के प्रभाव न्यूनाधिक मात्रा में, आपके अनुरूप जाएंगे। आपके जीवन की प्रमुख घटनाएं इन्हीं अंकों की तारीखों मास, ईस्वी सन् या आयु के वर्षों में घटित होंगी। जब कभी इन्हीं अंकों की तारीख, मास वर्ष के साथ आपके लिए निर्धारित शुभ वार का भी मेल होता हो, तो ऐसा दिन आपके लिए विशेष फलदायी तथा किसी भी कार्य को प्रारंभ करने, पत्र लेखन, या उच्च अधिकारी/व्यक्ति से मिलने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगा। आप अपने विगत जीवन में घटित घटनाओं का अवलोकन करेंगे, तो पाएंगे कि काफी घटनाएं इन्हीं अंकों के मास, वर्ष या दिन को घटित हुई होंगी।

अपने विगत जीवन में उपर्युक्त सभी अंकों का विश्लेषण करने के बाद जो अंक आपके अधिक अनुकूल जा रहे हों, उन्हीं अंकों के आधार पर भावी योजनाएं बनाना आपके लिए अधिक लाभप्रद रहेगा।

आपके लिए मार्च, मई, जून, सितंबर के माह विशेष घटनाक्रम वाले होंगे तथा आप कोई भी नया कार्य ऐसे ही दिन प्रारंभ करें, जब दिन, तारीख, मास तथा वर्ष आपके मूलांक तथा भाग्यांक के अंक से मेल स्थापित करे तथा एक ही समय पर सभी शुभ रहें।

मूलांक 5 एवं भाग्यांक 6 के प्रभाववश ईस्वी सन्, जिनका योग 3, 5, 6, 9 होता है, आपके लिए विशेष घटनाक्रम वाले रहेंगे।

इसी प्रकार आपकी अवस्था के ऐसे वर्ष, जिनका योग 3, 5, 6, 9 होता है, आपके लिए शुभ फलदायक रहेंगे।

3 . 12, 21, 30, 39, 48, 57, 66, 75

5 . 14, 23, 32, 41, 50, 59, 68

6 . 15, 24, 33, 42, 51, 60, 69

9 . 18, 27, 36, 45, 54, 63, 72

उपर्युक्त वर्ष आपके जीवन में परिवर्तनशाली रहेंगे। इन वर्षों में कुछ प्रमुख घटनाएं

घटित होंगी, जो आपके जीवन की दशा बदलेंगी तथा कुछ घटनाएं यादगार बन जाएंगी।



नामांक विचार

संसार में नाम नहीं तो कुछ भी नहीं। मनुष्य का सही नाम ही गगन चुम्बी होता है। सही फलदायी नाम से ही मनुष्य देश-विदेश में प्रसिद्धि पाता है। अतः हमेशा ऐसे नाम का चुनाव करना चाहिए जो आपको समाज में यश, कीर्ति तथा प्रतिष्ठा प्रदान करे और सदियों तक समाज में आदर के साथ याद किया जाए। आपका नाम आपके भाग्य व प्रतिष्ठा को बढ़ाने में कितना साथ दे रहा है निम्न गणना से आप जान सकते हैं एवं नाम को ठीक कर अपने भाग्य की वृद्धि कर सकते हैं।

Pradeep

8+2+1+4+5+5+8

नाम का योग : 33 नामांक : 6

आपके नाम का कुल योग तैंतीस है। तीन एवं तीन के योग से छह आपका नामांक होता है। अंक तीन का स्वामी गुरु एवं नामांक छह का स्वामी शुक्र ग्रह है। इन दोनों ही ग्रहों के प्रभाव आपके नाम को संचालित करेंगे। गुरु के प्रभाव से आपका नाम काफी विस्तृत क्षेत्र में पहचान स्थापित करेगा। आपका नाम दूर-दूर तक प्रसारित होगा एवं रहन-सहन की परिस्थितियों के अनुसार दूरस्थ देशों के व्यक्तियों के मध्य आप लोकप्रिय होंगे। नामांक स्वामी शुक्र के प्रभाव से कला जगत में आपको लोकप्रियता प्राप्त हो सकती है। आपकी विभिन्न कलाओं में स्वाभाविक रुचि रहेगी एवं अच्छे अवसर यदि आपको कला के क्षेत्र में प्राप्त होते हैं तो आप उच्चकोटि की सफलता प्राप्त करेंगे तथा आपका नाम लोकप्रिय व्यक्तियों के रूप में जाना जाएगा। शुक्र ग्रह अच्छी भौतिक संपदा देता है। अतः आपको नामांक के प्रभाव से सांसारिक भौतिक सुख सुविधाएं उत्तम प्राप्त होंगी।

आपके नाम का नामांक 6 है। यही आपका भाग्यांक भी है। इन दोनों के आपके मूलांक 5 से सम संबंध हैं। इनके संयुक्त प्रभाववश आपको अपने जीवन में भाग्यांक के प्रभाव का पूर्ण फल प्राप्त होगा। जिससे आपका नाम समाज के विभिन्न वर्गों में लोकप्रिय होगा। आपके कार्य क्षेत्र में आपके भाग्यांक के प्रभाववश आपका नाम उच्चता को प्राप्त करेगा। मित्रों सम्बंधियों में आप एक ख्याति प्राप्त व्यक्ति के रूप में अपनी पहचान स्थापित करने में सफल होंगे। आपके कार्य क्षेत्र में आपका नाम सम्मान के साथ याद किया जाएगा और एक लम्बे समय तक अपनी पहचान बनाये रखेगा। मूलांक से सम संबंध होने के कारण आपको भाग्य का सहारा मध्यम श्रेणी का प्राप्त होगा। अतः आप अपनी मेहनत के द्वारा अपना नाम स्थापित करने में सफलता प्राप्त करेंगे।

आपके नामांक का आपके मूलांक 5 से मिलान ठीक नहीं है, लेकिन भाग्यांक 6 से मिलान हो रहा है। मूलांक से मिलान न होने के कारण आपका नाम पूर्णतः सफल नहीं हो सकेगा और जीवन में संघर्ष, अवनति आदि की वृद्धि करेगा। आप अपने नाम का पूर्ण शुभ फल पाने हेतु अपने नाम को नामांक से भी मिलान करना अच्छा रहेगा। आप ऐसे नाम का चुनाव करें जिसका नामांक आपके मूलांक तथा भाग्यांक दोनों से मिलान करे तथा उसका नामांक 9

आता हो और 1 न हो तो ऐसा नाम आपको अच्छी सांसारिक सफलताएं देगा। नाम परिवर्तन हेतु आपके लिए 6,3,5 अंक शुभ रहेंगे तथा 2,4,8 अंक अशुभ रहेंगे।

नाम में परिवर्तन करने हेतु अंग्रेजी वर्णाक्षरों को अंकों में परिवर्तन करने की विधि उदाहरण सहित नीचे दी जा रही है। जिसकी सहायता से आप आसानी से नाम परिवर्तन अथवा नाम में वांछित संशोधन कर अपने अनुकूल नामांक बना सकते हैं। नाम परिवर्तन से आप मूलांक तथा भाग्यांक के साथ-साथ अपने नाम को सार्थक कर सकेंगे।

A B C D E F G H I J K L M N O P Q R S T U V W X Y Z

1 2 3 4 5 8 3 5 1 1 2 3 4 5 7 8 1 2 3 4 6 6 6 5 1 7

उदाहरणार्थ:-

एक अंक घटना:-

GANESHA

$$3+1+5+5+3+5+1=23=5$$

GANESH

$$3+1+5+5+3+5=22=4$$

एक अंक :-

RAM

$$2+1+4=7$$

RAMA

$$2+1+4+1=8$$

दो अंक :-

BINDRA

$$2+1+5+4+2+1=15=6$$

BRINDRA

$$2+2+1+5+4+2+1=17=8$$

तीन अंक :-

RAMCHAND

$$2+1+4+3+5+1+5+4=25=7$$

RAMCHANDRA

$$2+1+4+3+5+1+5+4+2+1=28=8$$

चार अंक :-

KRISHNA

$$2+2+1+3+5+5+1=19=1$$

KRESHNA

$$2+2+5+3+5+5+1=23=5$$

पाँच अंक :-

TEWARI

$$4+5+6+1+2+1=19=1$$

TIWARI

$$4+1+6+1+2+1=15=6$$

छः अंक :-

AGGARWAL

$$1+3+3+1+2+6+1+3=20=2$$

AGARWAL

$$1+3+1+2+6+1+3=17=8$$

अंक ज्योतिष उपाय विचार

अनुकूल समय

बुध दिनांक 22 मई से 21 जून एवं 24 अगस्त से 23 सितंबर तक, पाश्चात्य मत से, सूर्य मिथुन एवं कन्या राशि में रहता है तथा भारतीय मतानुसार 15 जून से 15 जुलाई तक एवं 17 सितंबर से 16 अक्टूबर तक सूर्य मिथुन तथा कन्या राशि में रहता है। मिथुन बुध की स्वराशि तथा कन्या उच्च राशि है। अतः उपर्युक्त समय मूलांक पांच के लिए कोई भी नया या महत्वपूर्ण कार्य करने के लिए अधिक उपयुक्त रहता है।

अनुकूल दिवस

बुधवार, गुरुवार एवं शुक्रवार के दिन आप अपना कोई भी महत्वपूर्ण कार्य या रोजगार व्यापार संबंधी कार्य प्रारंभ करें तो यह आपके लिए अच्छा रहेगा। इन दिवसों में अनुकूल तारीखें भी हों तो आपके लिए श्रेष्ठ फलदायक सिद्ध होगा।

शुभ तारीखें

अंग्रेजी के किसी भी माह की 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखें आपके लिए कोई कार्य करने हेतु अधिक उपयुक्त रहेगी। इन तारीखों में आपके लिए अपना कोई भी नया कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, उच्च अधिकारी या किसी विशिष्ट व्यक्ति से मिलना, पत्र लेखन इत्यादि विशेष लाभप्रद रहेगा।

अशुभ तारीखें

अंग्रेजी माह की 2, 4, 11, 13, 20, 22, 29 एवं 31 तारीखों में किसी भी प्रकार का व्यापार संबंधी कार्य, महत्वपूर्ण कार्य, अथवा पत्र व्यवहार संबंधी कार्य करना आपके लिए प्रतिकूल है। अतः आप इन तिथियों में कोई भी शुभ कार्य संपन्न न करें।

मित्रता या साझेदारी

जिन व्यक्तियों का जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 तारीखों अथवा 15 जून से 15 जुलाई एवं 17 सितंबर से 16 अक्टूबर के मध्य हुआ है, ऐसे व्यक्तियों से आपकी मित्रता अच्छी रहेगी तथा ये लोग रोजगार-व्यवसाय के क्षेत्र में भी आपके सफल मित्र साबित होंगे।

प्रेम संबंध एवं विवाह

कोई भी महिला जिसका मूलांक 3, 5, 9 होता है तथा जिसका जन्म 3, 5, 9, 12, 14, 18, 21, 23, 27 एवं 30 दिनांको में हुआ हो वे आपके लिए विशेष शुभ फलदायक रहेंगी तथा इन महिलाओं से आप स्नेहपूर्ण संबंध रख सकते हैं।

अनुकूल रंग

मूलांक के अनुसार आपके लिए हल्का खाकी, सफेद चमकीला उज्ज्वल रंग उत्तम रहेंगे। अतः ये आपके स्वास्थ्य आदि के लिए ठीक रहेंगे। हो सके तो आप इन रंगों का रुमाल हर समय अपने साथ रखें और यदि आप अपने ड्राइंग रूम के पर्दे, चादर, तकिये, बिछावन आदि इसी रंग का पसंद करेंगे तो और भी अच्छा रहेगा।

वास्तु एवं निवास

आपके लिए उपयुक्त दिशा उत्तर है। इसलिए आपके लिए ऐसा मकान या फ्लैट शुभ रहेगा जिसका मूलांक तथा नामांक 5 हो। उत्तर दिशा आपके लिए हमेशा शुभ रहेगी। आप अपने घर की बैठक उत्तर दिशा में ही करें एवं घर के फर्नीचर आदि का रंग खाकी, सफेद चमकीला होना चाहिए, जो आपके लिए अच्छे फल देने वाले होंगे।

शुभ वाहन नं

अगर आप स्वयं का वाहन खरीदना चाहते हैं तो उसके लिए आपको पहले अपने मूलांक तथा मूलांक के मित्र अंक से मेल स्थापित करने वाले अंकों के अनुसार पंजीकरण क्रमांक लेना हितकर रहेगा। आपका मूलांक 5 है एवं मित्रांक 3 एवं 9 हैं। अतः आपके लिए शुभ पंजीकरण क्रमांक 5234 = 5 आदि होना चाहिए। आपके वाहन का नंबर 104 = 5 इत्यादि हो तभी आपके लिए यह शुभ फलदायक रहेगा।

स्वास्थ्य तथा रोग

जब भी आपके जीवन में रोग की स्थिति आती है तथा आप चर्म रोग, स्नायु निर्बलता, मानसिक चिंता, दुर्बलता, शारीरिक कमजोरी तथा मानसिक दुर्बलता से ग्रसित हो जाते हैं। रोग होने, अशुभ समय आने, कष्ट और विपत्ति के समय विष्णु की पूजा, पूर्णिमा का व्रत कर के, केले का प्रसाद लें।

व्यवसाय

तार और टेलीफोन विभाग, ज्योतिष, सेल्समैन, डाकघर, पोस्टमैन, बीमा विभाग, बैंकिंग, बजट निर्माण, रेलवे इंजीनियरी, संपादक, तंबाकू व्यवसाय, रेडियो व्यवसाय, लेखक, पत्रकार, अनुवादक, राजनीति संबंधी कार्य, मुद्रणालय, संचार व्यवस्था, पुस्तक विक्रेता, पुस्तकालय, लाइब्रेरियन, यातायात संबंधी कार्य, इतिहास, खोज एवं पुरातत्व विभाग, आविष्कारक, मुनीम, पर्यटक एवं बुद्धि बल के समस्त कार्य।

व्रतोपवास

बुधवार को बुध अरिष्ट दोष निवारण हेतु व्रत करें। पैतालीस या सत्रह बुधवारों को यह व्रत करें। हरे रंग के कपड़े पहनें एवं हरे पदार्थों का दान करें। तुलसी के पत्ते खाना एवं चढ़ाना लाभप्रद रहता है। पन्ना या मरगज की माला पर बुध मंत्र का जप करें।

अनुकूल रत्न या उपरत्न

आपके लिए पन्ना शुभ रत्न है। उसके न मिलने पर उपरत्न मरगज, ओनेक्स, ग्रीन पेन्नीडाट धारण करें। इसे आप सोने या चांदी में तीन से छह रत्ती में बनवा कर, बुधवार के दिन, शुक्ल पक्ष में दायें हाथ की कनिष्ठा उंगली में, त्वचा को स्पर्श करता हुआ धारण करें।

अनुकूल देवता

आप बुध ग्रह की उपासना करें भगवान लक्ष्मी नारायण की आराधना करें। भगवान लक्ष्मी नारायण के चतुर्दशाक्षरी मंत्र “ओम् ह्रीं ह्रीं श्री श्री लक्ष्मी वासुदेवाय नमः” का नित्य जप करें। प्रतिदिन कम से कम एक सौ आठ मंत्र का जप करें तथा पूर्णिमा के दिन सत्यनारायण कथा का श्रवण करेंगे तो आप विभिन्न रोगों तथा समस्याओं से मुक्त होंगे। यदि यह संभव न हो सके तो भगवान लक्ष्मी नारायण के चित्र का ही नित्य प्रातः दर्शन कर लिया करें।

ग्रह गायत्री मंत्र

आपके लिए बुध के शुभ प्रभावों की वृद्धि हेतु बुध के गायत्री मंत्र का प्रातः स्नान के बाद ग्यारह, इक्कीस या एक सौ आठ बार जप करना लाभप्रद रहेगा।

बुध गायत्री मंत्र - ॐ सौम्यरूपाय विद्महे बाणेशाय धीमहि तन्नो सौम्यः प्रचोदयात् ॥

ग्रह ध्यान मंत्र

प्रातःकाल उठ कर आप बुध का ध्यान करें, मन में बुध की मूर्ति प्रतिष्ठित करें और तत्पश्चात् निम्न मंत्र का पाठ करें।

प्रियंगुकलिकाश्यामं रूपेणाप्रतिमं बुधम्।
सौम्यं सौम्यगुणोपेतं तं बुधं प्रणमाम्यहम् ॥

ग्रह जप मंत्र

अशुभ बुध को अनुकूल बनाने हेतु बुध के मंत्र का जप करना चाहिए। नित्य कम से कम एक माला एक सौ आठ जप करने से वांछित लाभ मिल जाते हैं। पूरा अनुष्ठान नब्बे माला का है। मंत्र जप का प्रत्यक्ष फल स्वयं देख सकेंगे।

ॐ ब्रौं ब्रीं ब्रौं सः बुधाय नमः ॥ जप संख्या 9000 ॥

वनस्पति धारण

आप बुधवार के दिन विधारा की एक इंच लंबी जड़ ला कर, हरे धागे में लपेट कर, दाहिने हाथ में बांधे या सोने या चांदी के ताबीज में भर कर गले में धारण करें। इससे बुधवार के अशुभ प्रभाव कम होंगे तथा शुभ प्रभावों में वृद्धि होगी।

वनस्पति स्नान

आपके लिए प्रत्येक बुधवार को एक बाल्टी या बर्तन में हरड़, बहेड़ा, गोमय, चावल, गोरोचन, स्वर्ण, आंवला और मधु आदि औषधियों का चूर्ण कर, पानी में डाल कर स्नान करना सभी प्रकार के रोगों से मुक्तिदायक रहेगा। हर्बल स्नान से आपकी त्वचा की कांति में वृद्धि होगी। अशुभ बुध के प्रभाव क्षीण हो कर आपके तेज एवं प्रभाव में वांछित लाभ प्राप्त होगा। सभी ग्रहों की शांति के लिए कूठ, खिल्ला, कांगनी, सरसों, देवदारु, हल्दी, सर्वौषधि तथा लोधा को मिला कर, चूर्ण कर, किसी तीर्थ के पानी में मिला कर भगवान का स्मरण करते हुए स्नान करें तो ग्रहों की शांति और सुख समृद्धि प्राप्त होगी।

दान पदार्थ

बुध की शांति के लिए योग्य व्यक्ति को बुध के पदार्थ कांसी, हाथी दांत, हरा वस्त्र, मूंगा, पन्ना, सुवर्ण, कपूर, शास्त्रा, पफल, षट्पास भोजन, घृत, सर्व पुष्प आदि का दान करना लाभप्रद रहेगा।

यंत्र

बुध को अनुकूल बनाए रखने हेतु बुध यंत्र को भोज पत्र पर अष्टगंध (केशर, कपूर, अगर, तगर, कस्तूरी, अंबर, गोरोचन एवं रक्त चंदन या श्वेत चंदन) स्याही से लिख कर सोने या तांबे के ताबीज में, धूप-दीप से पूजन कर, सोने की जंजीर या पीले धागे में, बुधवार को शुक्ल पक्ष में प्रातःकाल धारण करें।